www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

वर्ष – 15 | अंक–31 | RNI-No. : UPHIN/2011/43806 | लखनऊ, मंगलवार 30 दिसम्बर 2025 प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–4 | मूल्य 1 रुपया

बीएमसी चुनावों के लिए मुंबई कांग्रेस की पहली सूची, 87 उम्मीदवारों का ऐलान, राज ठाकरे की बढ़ा दी टेंशन!

कांग्रेस और प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी (VBA) ने गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया है और रविवार को सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है।

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (प्छब्) ने सोमवार को आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (ठडब्) चुनावों के लिए 87 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। ठडब् सहित महाराष्ट्र के सभी नगर निगमों के चुनावों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा। परिणाम 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। इसमें माहिम विधानसभा सीट के तहत आने वाली वार्ड नंबर 192 भी शामिल है। सूत्रों की मानें तो इस सीट से राज ठाकरे ने अपना उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है।कांग्रेस और प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी (टठ।) ने गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया है और रविवार को सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है। दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच कई दौर की चर्चाओं और बैठकों के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। बीएमसी की 227 सीटों में से कांग्रेस 165 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। वहीं, वीबीए 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस महा विकास अघाड़ी (डट।) का हिस्सा है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना–यूबीटी और शरद पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (छब्च्) गुट भी शामिल हैं।बीएमसी चुनावों के लिए, शिवसेना–यूबीटी ने राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (डछै) के साथ गठबंधन किया है, जिसकी कांग्रेस ने बार–बार आलोचना की है। कांग्रेस की पुरानी पार्टी का कहना है कि वह सभी शविभाजनकारीश और श्सांप्रदायिकश ताकतों के खिलाफ है, इसीलिए वह शिवसेना–यूबीटी के एमएनएस के साथ गठबंधन का विरोध कर रही है। इससे पहले पार्टी ने कहा था कि वह बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी, लेकिन बाद में खबरें आईं कि कांग्रेस प्रकाश अंबेडकर की पार्टी के साथ गठबंधन पर विचार कर रही है।

ओल चिकी लिपि के 100 सालः राष्ट्रपति मुर्मू ने गाया प्रार्थना गीत, कहा- मातृभाषा को हमेशा रखें याद

नयी दिल्ली (एजेंसी)जमशेदपुर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोगों से अपनी–अपनी मातृभाषाओं को कभी न भूलने का सोमवार को आग्रह किया और समाज की बेहतरी के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। वह पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर शहर के बाहरी इलाके करनाडीह में दिशोम जहेरथान प्रांगण में संथाली भाषा की ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह और 22वें संथाली 'पारसी महा' (भाषा दिवस) को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने अपने भाषण की शुरुआत संथाली भाषा में 'जाहेर आयो' (आदिवासी मातृ देवी) की स्तुति में एक प्रार्थना गीत गाकर की। मुर्मू ने संथाली भाषा में भाषण देते हुए कहा, ''सभी तरह की भाषाएं सीखने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन अपनी मातृभाषा को कभी मत भूलिए। जब घ्आप अपने लोगों से बात करें, तो हमेशा अपनी मातृभाषा में बात करने की कोशिश करें।''उन्होंने कहा कि ओल चिकी अब डिजिटल मंच पर है और इसका उपयोग भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए किया जाना चाहिए। ओल चिकी को बढ़ावा देने में टाटा स्टील के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि समाज की बेहतरी के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के विकास के लिए 24,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं। राष्ट्रपति ने संथाली साहित्य के विकास में योगदान देने वाले 12 प्रतिष्ठित संथाली व्यक्तियों को भी सम्मानित किया। इस समारोह में मुख्य अतिथि मुर्मू के अलावा राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा झारग्राम (पश्चिम बंगाल) से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद और पद्मश्री से सम्मानित कालीपद सोरेन भी मौजूद रहे। यह कार्यक्रम पंडित रघुनाथ मुर्मू द्वारा 1925 में शुरू किए गए ओल चिकी आंदोलन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। उन्होंने ओल चिकी लिपि के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

प्रधानमंत्री मोदी 2026-27 के बजट से पहले अर्थशास्त्रियों से करेंगे मुलाकात

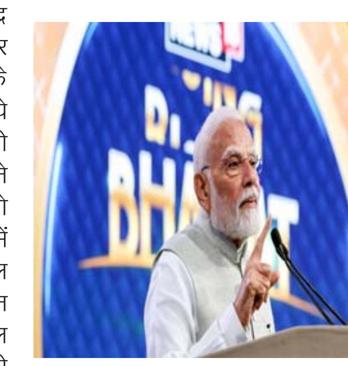

नयी दिल्ली (एजेंसी)अर्थशास्त्रियों तथा क्षेत्रीय विशेषज्ञों के अलावा, नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी, नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम और आयोग के अन्य सदस्य भी बैठक में शामिल होंगे।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी बजट पर विचार–विमर्श करने के लिए प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और क्षेत्र विशेषज्ञों से मंगलवार को मुलाकात करेंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को 2026–27 का केंद्रीय बजट पेश कर सकती हैं। भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं और भारत के निर्यात पर अमेरिका के 50 प्रतिशत के भारी शुल्क के बीच यह बजट पेश किया जाएगा।

सीएम योगी बोले- हर मंडल मुख्यालय पर बनाएंगे स्पोर्ट्स कालेज

इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ कर रही सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कालेज बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर मंच और सुविधाएं देकर प्रदेश को खेलों का हब बनाया जा रहा है।

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिले स्तर पर बड़ा स्टेडियम बनवाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के साथ सरकार हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाया जाएगा। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार सुदृढ़ कर रही है। बेलीपार के पास एक इंटरनेशनल स्टेडियम बनने जा रहा है। रीजनल स्टेडियम का भी 63 करोड़ रुपये की लागत से नवोद्धार हो रहा है। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में भी बेहतरीन स्टेडियम बन रहा है। मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का सत्र प्रारंभ हो चुका है। इस यूनिवर्सिटी का विश्व स्तरीय निर्माण जारी है। अब सरकार की तैयारी हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाने की है।मुख्यमंत्री ने बताया कि वह जल्द ही गोरखपुर महानगर की सभी संस्थाओं के साथ बैठक करने वाले हैं। उस बैठक में संस्थाओं का आह्वान किया जाएगा कि वे एक–एक खेल को गोद लें। कुछ सहयोग वे करें और कुछ सरकार करेगी। यहां पर अच्छे कोच रखे जाएंगे। इससे बच्चों को खेल के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म प्राप्त होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक खेल स्पर्धा को लेकर अपनी आगामी योजना भी साझा की। उन्होंने कहा कि अगली बार बच्चों और छात्रों के स्तर के साथ ही वार्ड स्तर पर कामकाजी और रिटायर्ड लोगों के लिए भी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वार्ड स्तर, उसके बाद कुछ वार्डों को मिलाकर उपनगरीय और फिर नगर स्तर पर बड़ी प्रतियोगिता, बड़े समारोह का आयोजन कर विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बच्चों–छात्रों की प्रतियोगिताएं बालक व बालिका वर्ग में तीन स्तर, बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे ही गोरखपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भी कहा गया है। कला के अलग अलग विधाओं गायन, वादन, नृत्य, नाट्य आदि की यह प्रतियोगिता जनवरी के प्रथम सप्ताह में होगी। 11 से 13 जनवरी को गोरखपुर महोत्सव के मुख्य आयोजन में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। सीएम योगी ने खेलकूद के महत्व को समझाते हुए कहा कि युवा खेलेगा तो देश खिलेगा। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का रास्ता यहीं से प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सफलताओं का मार्ग स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकता है। स्वस्थ शरीर खेलकूद और यौगिक क्रियाओं के माध्यम से ही प्राप्त होगा।

11 वर्ष में खेल के क्षेत्र में हुआ भारी परिवर्तन

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्ष के अंदर देश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को लेकर भारी परिवर्तन हुआ है। कबड्डी, हॉकी, बैडमिंटन, एथलेटिक्स के लिए पूरी दुनिया भारत की तरफ देखती है। ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ, वर्ल्ड चौंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा की एक नई मांग खड़ी हो चुकी है और इसी को ध्यान में रख करके सरकार स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत कर रही है।मुख्यमंत्री ने भीषण ठंड में भी खिलाड़ियों के उत्साह की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि इस विधायक खेल स्पर्धा में प्रत्यक्ष रूप से 1000 और अप्रत्यक्ष रूप से 10000 खिलाड़ियों ने सहभागिता की है। विधायक खेल स्पर्धा 2025 में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबाल, जूडो और कुश्ती प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि यह खेलकूद ही है ।

पीएम मोदी ने कोने, हम्पी और अर्जुन एरिगैसी को दी बधाई, विश्व रैपिड चौंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोहा में फिडे विश्व रैपिड चौंपियनशिप के महिला वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय शतरंज की दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को सोमवार को बधाई देते हुए उनके समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। हम्पी ने मौजूदा चौंपियन के रूप में इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। वह रविवार को समाप्त हुई प्रतियोगिता के अंतिम दौर के बाद 8.5 अंक लेकर दो अन्य ग्रैंडमास्टर्स के साथ संयुक्त बढ़त पर थी लेकिन अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के टाईब्रेक नियमों के कारण उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।मोदी ने एक्स पर लिखा, ''दोहा में 2025 फिडे विश्व रैपिड शतरंज चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली कोनेरू हम्पी को हार्दिक बधाई। खेल के प्रति उनका समर्पण सराहनीय है। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं।''पीएम मोदी ने अर्जुन एरिगैसी को भी जीत की बधाई दी। कहा कि दोहा में आयोजित फिडे विश्व रैपिड शतरंज चौंपियनशिप के ओपन वर्ग में कांस्य पदक जीतने पर अर्जुन एरिगैसी पर गर्व है। उनका दृढ़ संकल्प सराहनीय है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री भारतीय खिलाड़ियों का लगातार हौसला बढ़ाते रहते हैं और उनमें से कई खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से भी मिलते हैं। अगर हम्पी रविवार को खिताब जीत जातीं तो वह तीन विश्व रैपिड खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन जातीं। इससे पहले उन्होंने 2019 और 2024 में खिताब जीते थे। ओपन वर्ग में अर्जुन एरिगैसी ने कांस्य पदक जीता। वह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और रूस के ग्रैंडमास्टर व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। अब यह खिलाड़ी विश्व ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

कश्मीर में बारिश और बर्फबारी की संभावना, रात का तापमान सामान्य से अधिक

श्रीनगर (एजेंसी)कश्मीर में एक नये दौर की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है क्योंकि घाटी में रविवार रात न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। यह जानकारी मौसम विभाग के अधिकारियों ने दी। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को कश्मीर में मध्यम बर्फबारी होने की संभावना है। बुधवार और बृहस्पतिवार को आसमान में बादल छाये रहने की संभावना है तथा ऊंचाई वाले इलाकों में

बीजेपी के अंदर चल रहे पावर शो ने गरमाई यूपी की सियासत

क्षत्रिय, लोध, कुर्मी और अब ब्राह्मण, क्या है जातीय बैठकों पर सियासी जंग की वजह

कुटुंब परिवार के नाम पर ठाकुर विधायकों की पहली बैठक होटल क्लार्क अवध में हुई थी। उस बैठक को एक बर्थडे सेलिब्रेशन के बहाने हुआ जुटान बताया गया।

नयी दिल्ली (एजेंसी)। को लखनऊ में बीजेपी के ब्राह्मण विधायकों की बैठक हुई। 24 तारीख को यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी की दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई। और बैठक में शामिल विधायकों को 25 की देर शाम अल्टीमेटम जारी कर दिया गया। अब योगी सरकार की इंटेलिजेंस पुलिस पता कर रही है कि ब्राह्मण विधायकों की बाटी चोखा पार्टी के पीछे असली दिमाग किसका था। यहां गौर करने वाली बात है कि परिवार या फिर वर्ग विशेष को लेकर राजनीतिक जुटान को गलत बताया गया। चौधरी ने कहा कि पार्टी के कुछ नेताओं ने एक विशेष भोज का आयोजन किया जिसमें अपने समाज को लेकर चर्चा की। ऐसा कोई भी काम बीजेपी के संवैधानिक परंपराओं के अनुकूल नहीं है। इसके साथ ही दोबारा इस तरह के किसी कदम पर एक्शन तक की धमकी तक दे डाली। पर इसी बैठक को लेकर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से जब सवाल पूछा गया था तो उन्होंने कहा था कि इसमें कुछ भी गलत नहीं। मुझे लगता है कि जब विधानसभा का सत्र चलता है तो इसको ब्राह्मण और क्षत्रिय और पिछड़ा और अनुसूचित वर्ग से जोड़ के मत देखा करिए। विधायक एक दूसरे से मिलते रहते हैं। पूरे आयोजन को एक तरह का शक्ति प्रदर्शन इसलिए भी बताया जा रहा है क्योंकि इसी साल अगस्त के महीने में ठाकुर और कुर्मी विधायकों की कुछ इसी तरीके की जुटान का यह एक रिएक्शन भी था। कुटुंब परिवार के नाम पर ठाकुर विधायकों की पहली बैठक होटल क्लार्क अवध में हुई थी। उस बैठक को एक बर्थडे सेलिब्रेशन के बहाने हुआ जुटान बताया गया। अगर तभी पार्टी हाईकमान की तरफ से इस तरह की कुछ सख्ती दिखाई गई होती तो शायद आज यह नौबत नहीं आती। उस समय भूपेंद्र चौधरी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हुआ करते थे। उसके बाद कल्याण सिंह और अवंतीबाई लोधी के नाम पर लोध नेताओं की और फिर जन्मदिन आयोजन के नाम पर कुर्मी नेताओं की जुटान हुई। हाल ही में विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान लखनऊ में कुशीनगर विधायक के सरकारी आवास पर ब्राह्मण नेताओं की बैठक और भोज हुआ।

।मासान की बड़ी वजह क्या है

विधानसभा चुनाव 2027 में है। इससे पहले 2024 में भाजपा को यूपी में बड़ा झटका लगा थ। यह बात सामने आई कि विपक्ष के पीडीए कार्ड के कारण भाजपा से ओबेसी और खासकर कुर्मी वोटर खिसक गए। यही वजह है कि भाजपा में इन जातियों को तवज्जो दी जा रही है। ऐसे गे सवर्णों को लग रहा है कि उनको अहमियत नहीं मिल रही। इसलिए वे अपनी अहमियत दर्ज करवाना चाहते हैं। उधर, विपक्ष को यह एक मौका दिख रहा है। हाल के बिहार चुनाव के नतीजे भी सबके सामने है। विपक्षी नेताओं ने दलित और ओबीसी पर फोकस किया और सवर्णों के खिलाफ बयानबाजी की थी। विपक्ष बिहार से सबक लेते हुए सवर्णों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहता है। भाजपा के अंदर का घमासान उसे मौका नजर आ रहा है। उधर, भाजपा अभी तक यह समझती रही है कि सवर्ण उसका कोर वोटर है। वह तो उसके साथ रहेगा ही।

सेना के लिए 79,000 करोड़ के हथियार

राजनाथ सिंह बोले- अब बढ़ेगी परिचालन क्षमता

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने हेतु लगभग 79,000 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण रक्षा प्रस्तावों को स्वी×ति प्रदान की है। रक्षा मंती राजनाथ सिंह ने इस कदम पर जोर देते हुए कहा कि इससे भारत की रक्षा तैयारियां और भी सशक्त होंगी तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए सेना को बेहतर ढंग से तैयार किया जा सकेगा। यह खरीद उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से भारतीय सेना और नौसेना की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करेगी।

नयी दिल्ली (एजेंसी)।रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा सशस्त्र बलों के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दिए जाने के बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि मंत्रालय भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है और लिए गए निर्णय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होंगे। यह तब हुआ जब रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने तीनों सेनाओं के लगभग 79,000 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी।एक पोस्ट में राजनाथ सिंह ने लिखा कि आज हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लगभग 79,000 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी गई। पोस्ट में आगे कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। आज लिए गए निर्णय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होंगे।रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 29 दिसंबर, 2025 को हुई बैठक में, तोपखाने रेजिमेंटों के लिए लोइटर मुनिशन सिस्टम, लो लेवल लाइट वेट रडार, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम (एमआरएलएस) के लिए लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट गोला–बारूद और भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके–प्प की खरीद के लिए एओएन (।वछ) को मंजूरी दी गई।लोइटर मुनिशन का उपयोग सामरिक लक्ष्यों पर सटीक हमले के लिए किया जाएगा, जबकि लो लेवल लाइट वेट रडार छोटे आकार के, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूरोपीय प्रणालियों) का पता लगाने और उन पर नजर रखने में सक्षम होंगे। लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट पिनाका एमआरएलएस की रेंज और सटीकता को बढ़ाएंगे, जिससे उच्च–मूल्य वाले लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया जा सकेगा। मंत्रालय ने बताया कि बढ़ी हुई रेंज वाला इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके–II सामरिक युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में भारतीय सेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की रक्षा करेगा।भारतीय नौसेना को बोलार्ड पुल (बीपी) टग्स, हाई फ्रीक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एचएफ एसडीआर) मैनपैक की खरीद और हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज (एचएएलई) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) के पट्टे के लिए एओएन प्रदान किया गया था।

अरावली मामलाः सुप्रीम कोर्ट के आदेश का कांग्रेस ने किया स्वागत, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मांगा इस्तीफा

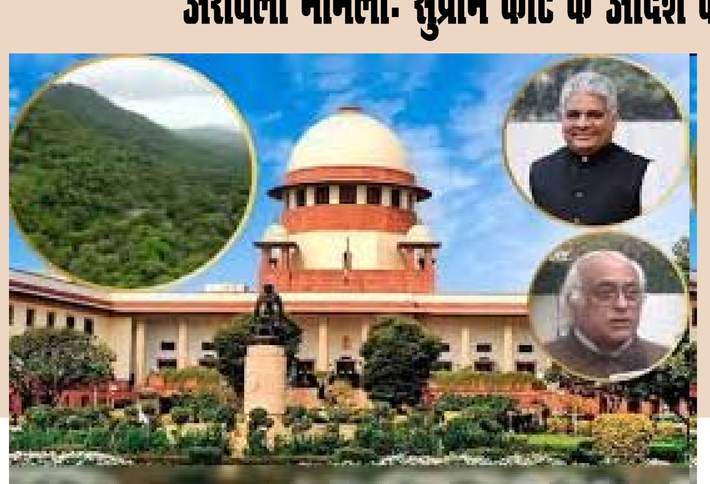

नयी दिल्ली (एजेंसी)कांग्रेस ने अरावली पर्वतमाला की पुनर्परिभाषा से जुड़े मामले पर उच्चतम न्यायालय के आदेश का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि अब पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए जो नई परिभाषा की बार–बार वकालत कर रहे थे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक न्यूज एजेंसी के साथ बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार अरावली को बचाने का नहीं, बेचने का प्रयास कर रही है। रमेश ने कहा, ''कांग्रेस उच्चतम न्यायालय के आदेश का स्वागत करती है। मोदी सरकार द्वारा जिस तरह से परिभाषा बदलने की कोशिश की गई थी, उसका मकसद सिर्फ खनन की गतिविधियों, रियल स्टेट को बढ़ावा देना था। अरावली को पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है, उसे और भी मुसीबत में डालने के लिए नई परिभाषा तय की गई।''उनका कहना था, ''इस परिभाषा का विरोध सबने किया, भारतीय वन सर्वेक्षण ने विरोध किया, उच्चतम न्यायालय की समिति ने विरोध किया, न्याय मित्र ने विरोध किया। इसके बावजूद मोदी सरकार ने बुलडोजर चलाया और नई परिभाषा निकाली।'' रमेश ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय ने अपने पहले के आदेश को स्थगित किया और कहा कि एक उच्च स्तरीय समिति का गठन होगा। हम इसका स्वागत करते हैं।''उन्होंने यह भी कहा, ''हम मांग करते हैं कि पर्यावरण मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए जो इस नई परिभाषा की बार–बार वकालत कर रहे थे।''

सम्पादकीय

भाजपा नेतृत्व में पीढ़ीगत परिवर्तन

बिहार के विधायक नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने को भाजपा नेतृत्व में पीढ़ीगत परिवर्तन के तौर पर देखा जा रहा है। इसकी तुलना दूसरी पार्टियों के अध्यक्षों के उम्र से भी हो रही है। जाहिर है कि इन दिनों मीडिया को वही नैरेटिव चलाना होता है, जो ऊपर से कहा जाता है। इसलिए मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्र से लेकर ममता बनर्जी तक के उम्र की तुलना नितिन नबीन की 45 साल की उम्र से की जा रही है। लेकिन क्या पहले भी भाजपा में ऐसे ही नहीं होता था? कम से कम पिछले एक दशक से यह दिख ही रहा है। भाजपा ने जब अमित शाह को अध्यक्ष बनाया तो वह भी पीढ़ीगत परिवर्तन ही था। उस समय भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह थे, जिनकी उम्र 63 साल थी। उनकी जगह 49 साल के अमित शाह को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था।उसके साथ ही तय था कि अब अगला अध्यक्ष अब अमित शाह की पीढ़ी से ही आएगा। अमित शाह ने छह साल बाद 2020 में जब अध्यक्ष पद छोड़ा तब उनकी उम्र 54 साल थी और उस समय 59 साल के हो रहे जेपी नड्डा को कमान दी गई। इस तरह शाह और नड्डा के जरिए उस समय की पहली और दूसरी दोनों लाइन के नेताओं में से किसी के अध्यक्ष बनने की संभावनाओं को समाप्त कर दिया गया। उस समय सुषमा स्वराज से लेकर अरुण जेटली, अनंत कुमार, मनोहर पर्रिकर, उमा भारती, सुशील मोदी, बीएस येदियुरप्पा जैसे तमाम नेता जैसे तमाम नेता रेस से बाहर हो गए।वही काम अब नितिन नबीन के जरिए होगा। उनकी उम्र 45 साल है और यह मान कर चलें कि वे छह साल रहेंगे तो हटने के समय उनकी उम्र 51 साल के आसपास होगी। सो, तय मानें कि उस समय जो अध्यक्ष बनेगा वह इसी उम्र के आसपास का होगा। संभव है कि 55 साल से कम उम्र का हो। इससे कितने लोगों का पत्ता साफ हो गया? अध्यक्ष बनने के जितने दावेदार हैं। धर्मेंद्र प्रधान से लेकर भूपेंद्र यादव, विनोद तावड़े आदि सबकी संभावना खत्म हुई। नितिन नबीन के अध्यक्ष बनने के बाद का घटनाक्रम देखें तो बहुत साफ दिख रहा है कि वे दो श्रेणी के नेताओं के यहां मिलने गए। इनमें मार्गदर्शक मंडल वाले मुरली मनोहर जोशी जैसे नेता हैं तो भाजपा की पहली पंक्ति वाले नेता हैं राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी आदि हैं। बाकी सारे नेता या तो हवाईअड्डे पर उनके स्वागत के लिए खड़े थे या पार्टी मुख्यालय में गुलदस्ता लेकर उनके स्वागत के लिए खड़े थे। सो, अब भाजपा के नेता कयास लगा रहे हैं कि छह साल के बाद किसकी लॉटरी निकल सकती है। लेकिन कोई किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकता है। नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाने से एक और बदलाव हुआ है। भाजपा ने परिवारवाद को स्वीकार करने की दिशा में एक कदम और बढ़ा दिया है। पहले कहा जाता था कि भाजपा ऐसी पार्टी है, जिसमें कोई भी सामान्य नेता या कार्यकर्ता अध्यक्ष बन सकता है, जबकि कांग्रेस में यह पद आरक्षित है। तो कांग्रेस ने उधर परिवार से बाहर और पहली पीढ़ी के राजनेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाया। वही भाजपा ने अब अपनी पार्टी के नेता की दूसरी पीढ़ी के व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया। यह बदलाव मामूली नहीं है। नितिन नबीन के पिता नवीन किशोर सिन्हा भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से थे। उन्होंने 1974 के जेपी आंदोलन में हिस्सा लिया था। एक समय बिहार में भाजपा के सबसे बड़े नेताओं में गिने जाते थे। अपने पिता की विधानसभा सीट से विधायक बन कर उनकी विरासत संभाल रहे नितिन नबीन को भाजपा ने अध्यक्ष बना कर यह संदेश दिया कि अब भाजपा के पुराने नेताओं के बच्चे सर्वोच्च पद पर पहुंच सकते हैं। अगर धर्मेंद्र प्रधान अध्यक्ष बनते तब भी यह बदलाव देखने को मिलता क्योंकि उनके पिता देवेंद्र प्रधान भी भाजपा के बड़े नेता थे। वे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री भी थे।अब तक भाजपा इससे बचती थी।अब अनुराग ठाकुर उम्मीद कर सकते हैं कि वे अगली बार अध्यक्ष बन जाएं, प्रवेश साहेब सिंह वर्मा और बांसुरी स्वराज भी उम्मीद कर सकते हैं। गोपीनाथ मुंडे और प्रमोद महाजन की बेटियां भी भाजपा के सर्वोच्च पद पर पहुंचने की उम्मीद कर सकती हैं। पीढ़ीगत परिवर्तन की वजह से तेजस्वी सूर्या और के अन्नामलाई जैसे नेता अब रेस में आ गए हैं।

मेष :– भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें।

बृषभ :– नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार हैं। पुराने संबंधों से लाभ संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। आर्थिक सुदृढ़ता हेतु मन चिंतित होगा।

मिथुन :– विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। अच्छी भावनात्मक अभिब्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्क :– भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता मिलने के आसार हैं। मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी।

सिंह :– कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

कन्या :– भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय संभव। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे अपयश या लान्छन मिले।

तुला :– निकट संबंधो में भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता मिलने के आसार हैं। संतान संबंधी महत्वपूर्ण दायित्व अपनी पूर्ति हेतु दवाब बनाएंगे।।

वृश्चिक :– परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। घर में खुशहाली रहेगी।

धनु :– कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें।

मकर :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। किसी नये संबंध के प्रति निकटता बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

कुंभ :– कुछ नये पारिवारिक तनावों से मन अशांति से प्रभावित रहेगा। कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। शिक्षार्थी शिक्षा में ध्यान दें। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें।

मीन :– नयी आशाएं नवीन उत्साह का संचार करेंगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें। क्रोध पर काबू रखें और आवेश में कोई निर्णय न लें। घर–परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल, पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में कौन मारेगा बाजी?

नीरज कुमार दुबे ।

हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मार्च से मई 2026 के बीच होने वाले इन चुनावों के लिये सभी दल अभी से तलवारें निकाल चुके हैं।साल 2025 भारतीय राजनीति में सत्ताधारी एनडीए के लिये विजय का वर्ष रहा। दिल्ली और बिहार में मिली निर्णायक जीत ने भारतीय जनता पार्टी के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। दूसरी ओर विपक्ष के लिये यह साल निराशा, विघटन और हताशा का प्रतीक बन गया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पराजित हुई और बिहार में कांग्रेस, राजद और वाम दलों का महागठबंधन लगभग साफ हो गया। लेकिन राजनीति में स्थायी कुछ नहीं होता। 2026 एक नये युद्ध का वर्ष है जहां सत्ता की जड़ें हिलाने के लिए विपक्ष फिर से प्रयास करेगा।हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मार्च से मई 2026 के बीच होने वाले इन चुनावों के लिये सभी दल अभी से तलवारें निकाल चुके हैं। अभी से नेताओं के भाषणों में आग है, रणनीतियों में धार है और हर कदम सत्ता की लालसा से भरा हुआ है।सबसे पहले पश्चिम बंगाल की बात करें तो आपको बता दें कि राज्य में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक मजबूत किले की तरह खड़ी है, लेकिन इस किले की दीवारों पर अब लगातार भगवा हमले हो रहे हैं। 2016 में मात्र तीन सीटों पर सिमटी भाजपा 2021 में 77 सीटों तक पहुंच गयी। यह उछाल संयोग था या स्थायी चुनौती, इसका फैसला 2026 करेगा। ममता बनर्जी 213 सीटों और लगभग आधे वोट प्रतिशत के साथ सत्ता में हैं, लेकिन सत्ता का बोझ भारी होता है। महंगाई, बेरोजगारी और स्थानीय असंतोष अब उनके सामने खड़े बड़े सवाल हैं। भाजपा पूरी ताकत से मैदान में उतर चुकी है और बिहार की जीत के बाद उसका हौसला दोगुना है। वहीं कांग्रेस और वाम दल अपनी खोई हुई जमीन तलाश रहे हैं, लेकिन उनका संकट यह है कि जनता अब उन्हें गंभीर विकल्प मानने को तैयार नहीं है। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूचियों में हो रहे बदलाव ने बंगाल की राजनीति में आग और घी का काम किया है। अल्पसंख्यक और शहरी क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तन चुनावी गणित को पूरी तरह पलट सकते हैं।

वहीं तमिलनाडु की बात करें तो राज्य हमेशा से द्रविड राजनीति का गढ़ रहा है। द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच सत्ता की रस्साकशी अब एक बार फिर चरम पर है। मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक मजबूत स्थिति में है, लेकिन सत्ता विरोधी लहर की आहट साफ सुनाई दे रही है। रोजगार, नीट, बिजली दरें और प्रशासनिक अपेक्षाएं सरकार के लिये अग्निपरीक्षा हैं। अन्नाद्रमुक और भाजपा का गठबंधन इस बार ज्यादा संगठित दिख रहा है। अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीसामी का दावा है कि यह मोर्चा 200 से अधिक सीटें जीत सकता है। लेकिन इस गणित को सबसे ज्यादा बिगाड़ने वाला नाम है विजय। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम पहली बार मैदान में है और युवा वर्ग में उसका असर नकारा नहीं जा सकता। हालांकि करूर की भगदड़ की घटना ने विजय की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है।

वहीं असम को देखें तो राज्य में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा भाजपा के सबसे आक्रामक चेहरों में गिने जाते हैं। 2021 में 75 सीटें जीतने के बावजूद सत्ता विरोधी भावना अब उभर रही है। सरमा का दावा है कि एनडीए 100 से अधिक सीटें जीतेगा, लेकिन राजनीति में दावे अक्सर जमीनी सच्चाई से टकराते हैं। कांग्रेस के लिये यह करो या मरो की लड़ाई है। नये प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई के सामने चुनौती है कि वह लोकसभा चुनावों की सफलता को विधानसभा में बदल सकें। हालांकि दस साल की सत्ता के खिलाफ माहौल बनाना आसान नहीं, खासकर तब जब विपक्षी वोट विभाजित हों। एआईयूडीएफ का रुख यहां निर्णायक साबित हो सकता है।उधर, केरल की राजनीति हमेशा सत्ता परिवर्तन के लिये जानी जाती रही है, लेकिन वाम मोर्चा इस परंपरा को तोड़ चुका है। अब तीसरी बार सत्ता में लौटने का सपना देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन विकास और निरंतरता के नाम पर जनता से समर्थन मांग रहे हैं। वहीं कांग्रेस नीत मोर्चे के लिये यह अस्तित्व की लड़ाई है। यदि इस बार भी नाकामी हाथ लगी तो केरल में कांग्रेस और कमजोर हो जायेगी। भाजपा के लिये भी यह चुनाव अहम है। यदि एक भी सीट वह जीतती है तो केरल की राजनीति में नया अध्याय शुरू होगा।

इस बीच, पुडुचेरी में एनडीए की सरकार अंदरूनी कलह से जूझ रही है। मंत्री का इस्तीफा, दलित असंतोष और गठबंधन की कमजोरी सत्ता को अस्थिर बना रही है। द्रमुक यहां अपनी जड़ें फैलाने की कोशिश में है और कांग्रेस केवल इतना चाहती है कि उसका नाम प्रदेश की राजनीति से न मिटे।बहरहाल, 2026 के चुनाव सत्ता और विपक्ष, दोनों का इम्तिहान है। यह चुनाव केवल सरकारें नहीं बदलेंगे, यह तय करेंगे कि लोकतंत्र में विकल्प जिंदा हैं या नहीं। देखा जाये तो 2026 का रण सिर्फ सत्ता का नहीं, भविष्य का है।

नया कोल्ड वार क्या है? किनके बीच चल रहा है? इसमें भारत किस भूमिका में है?

कमलेश पांडेय ।

बताते चलें कि नया कोल्ड वार पुराने भू–सामरिक तनाव का ही एक परिवर्तित भू–राजनीतिक तनाव है, जो मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच चल रहा है। देखने में तो यह शीत युद्ध के जैसा ही है लेकिन यह प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष के बजाय आर्थिक, तकनीकी, व्यापारिक और वैचारिक प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित है।

द्वितीय विश्व युद्ध की विजय के बाद अमेरिका और सोवियत संघ के बीच छिड़े शीत युद्ध और इसके वार–पलटवार जैसे युद्धगत प्रभावों से हमलोग वाकिफ हैं। इस दौरान यूएसए और यूएसएसआर की खेमेबाजी भी जगजाहिर रही, जिससे दुनिया के कमजोर देशों के कुछ कुछ हित भी सधे। हालांकि 1990 के दशक में सोवियत संघ के बिखराव के बाद यह खत्म हो गया। लेकिन अमेरिका की बढ़ती वैश्विक चौधराहट के बाद 2010 के दशक में अमेरिका–चीन के बीच फिर से एक श्नया शीत युद्धश शुरू हो गया, जो अब तलक जारी है। कौन सा सांप है बड़ा, टाइटनोबोआ या अनाकोंडा?चूंकि यूएसएसआर के पतन में अमेरिकी भूमिका रही, इसलिए उसके अवशेष पर खड़े हुए रूस ने चीन को शह देकर अमेरिका से अपना पुराना हिसाब–किताब चुकता कर लिया। इस प्रकार दुनिया के थानेदार अमेरिका के सामने एक नई सामरिक–आर्थिक चुनौती खड़ी हो गई, लेकिन पारस्परिक होड़ का स्वरूप कुछ कुछ बदल गया। कुलमिलाकर चीन अब अमेरिका के लिए भस्मासुर साबित हो रहा है। इससे अमेरिका भारत की ओर मुड़ा, लेकिन भारतीय नेतृत्व की सतर्कता की वजह से 2025 आते आते अपने कुटिल इरादों में नाकामयाब हो गया।इसे भी पढ़ेंरू भारतीय सेना ला रही 20 सुपर किलर, हमले से बचने के लिए पाकिस्तान करने लगा तैयारी

बताते चलें कि नया कोल्ड वार पुराने भू–सामरिक तनाव का ही एक परिवर्तित भू–राजनीतिक तनाव है, जो मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच चल रहा है। देखने में तो यह शीत युद्ध के जैसा ही है लेकिन यह प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष के बजाय आर्थिक, तकनीकी, व्यापारिक और वैचारिक प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित है। दोनों के बीच एशिया खासकर अरब और भारतीय उपमहाद्वीप पर वर्चस्व स्थापित करने को लेकर होड़ मची हुई है। यूरोप से अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया तक इसकी आंच पहुंच चुकी है। मसलन, यह नया शीत युद्ध 2010 के दशक के अंत से प्रचलित हुआ, जब अमेरिका ने चीन की बढ़ती आर्थिक शक्ति, दक्षिण चीन सागर में विस्तारवाद, तकनीकी चोरी और मानवाधिकार उल्लंघनों पर चिंता जताई। तब व्यापार युद्ध, हुआवेई (Huawei) प्रतिबंध और टिकटॉक जैसे मुद्दे इसके उदाहरण हैं। जहां तक इस नया शीत युद्ध के मुख्य पक्ष की बात है तो इसमें अमेरिका और उसके सहयोगी नाटो वाले यूरोपीय देश, दक्षिण कोरिया, क्वाड (फन्|क) (अमेरिका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया) और ऑकुस (।न्ज्ञै) जैसे गठबंधन के माध्यम से चीन का मुकाबला करने की रणनीति अख्तियार किये हुए हैं, लेकिन रूसी मित्रता की वजह से भारत अक्सर गुटनिरपेक्षता की आड़ लेकर तटस्थ हो जाता है। वहीं, चीन और उसके सहयोगी देश–रूस, उत्तर कोरिया, ईरान, पाकिस्तान (दोहरी चाल चलते हुए) और कुछ अफ्रीकी देशों यथा ब्राजील के साथ ब्रिक्स (ठत्प्ै), जिसमें भारत भी शामिल है, को विस्तार देते हुए जवाबी पलटवार करते जा रहे हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि भारत–पाकिस्तान अपने अपने पुराने कैम्प के साथ प्रतिबद्धता दिखा रहे हैं, जिससे चीनी पक्ष का पलड़ा भारी हुआ है। देखा जाए तो दोनों पक्षों के बीच व्यापार युद्ध, तकनीकी प्रतिस्पर्धा (जैसे–चिप्स और एआई), ताइवान मुद्दा, दक्षिण चीन सागर में विस्तारवाद और अफ्रीका–प्रशांत में प्रभाव के लिए पारस्परिक प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। अमेरिकी नादानी से 2025 तक यह मल्टी–पोलर हो गया है, जहां भारत जैसे देश तटस्थ भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, ताइवान और ईरान जैसे देश क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभा रहे हैं। इस प्रकार यह द्विध्रुवीय से बहुध्रुवीय संघर्ष बन गया है।इस प्रकार नया कोल्ड वार मुख्य रूप से अमेरिका और चीन के बीच माना जाता है, जिसमें रूस एक प्रमुख चीनी सहयोगी के रूप में उभर रहा है। जबकि नाटो देश अमेरिका के स्वाभाविक सहयोगी रहे हैं। ये देश अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, दक्षिण–पूर्व एशिया से लेकर मध्य–पश्चिम एशिया तक आर्थिक, तकनीकी और सैन्य प्रभाव के लिए आपसी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। जबकि भारत जैसे मजबूत कई अन्य देश तटस्थ या संतुलित भूमिका निभा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक विश्लेषक भी बताते हैं कि नया कोल्ड वार में भारत तटस्थ और संतुलित भूमिका निभा रहा है, न तो पूरी तरह अमेरिका के साथ है और न ही चीन के साथ। सरल शब्दों में कहें तो जहां एक तरफ भारत फन्|क और प्2न्2 जैसे गठबंधनों के माध्यम से अमेरिकी पक्ष को मजबूत करता है, वहीं दूसरी ओर रूस से तेल खरीदकर और ठत्प्ै में सक्रिय रहकर संतुलन बनाए रखता है।

दूसरे शब्दों में कहें तो एक ओर भारत जहां प्रमुख गठबंधन फन्|क सदस्य देश अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ हिंद–प्रशांत में चीन के विस्तारवाद का मुकाबला कर रहा है। वहीं दूसरी ओर ठत्प्ै और ैब्व मंच पर चीन–रूस के साथ आर्थिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज बुलंद कर रहा है। दरअसल, ऐसा करके भारत अपनी ष्रणनीतिक स्वायत्तताष् की नीति अपनाता है, जहां यह दोनों पक्षों से लाभ लेता है। साथ ही वह ताइवान जलडमरूमध्य और दक्षिण चीन सागर में शांति का समर्थन तो करता है, लेकिन सीधे टकराव से दूर रहता है। वैश्विक मंचों पर भारत विकासशील देशों का नेतृत्व कर रहा है। इस प्रकार भारत की भूमिका का सबसे बड़ा भू–राजनीतिक लक्ष्य रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए वैश्विक शक्ति के रूप में उभरना है। यह बहुध्रुवीय विश्व में संतुलनकारी भूमिका निभाकर आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करना चाहता है। देखा जाए तो अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के माध्यम से भारत, अमेरिका–चीन–रूस जैसे गुटों से बंधा नहीं रहना चाहता है, बल्कि वह क्वाड (फन्|क), ब्रिक्स (BRICS) और एससीओ (SCO) जैसे मंचों पर सक्रिय रहकर वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करता है। इसका क्षेत्रीय प्रभाव यह होता है कि भारत हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद का मुकाबला करते हुए प्डम्ब कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट्स से व्यापारिक पहुंच बढ़ाना चाहता है। साथ ही पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, बांग्लादेश) के साथ संतुलन बनाए रखता है।

इसके पीछे भारत की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा यह है कि वह 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किये हुए है, जहां सैन्य आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत), जलवायु नेतृत्व (ISA) और डिजिटल अर्थव्यवस्था प्रमुखता पूर्वक जोर दिया जा रहा हैं।

राहुल–खड़गे को सावधान होने की जरूरत

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने 28 दिसंबर को अपनी स्थापना के 140 साल पूरे किए। एक संगठन, एक राजनैतिक दल के तौर पर तमाम उतार–चढ़ावों के बीच इतना लंबा सफर तय करना ही अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। कांग्रेस ने अंग्रेजी हुकूमत को खत्म करने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। जिसमें वक्त के अनुसार तरीके बदलते रहे। कांग्रेस के भीतर अलग विचारधाराएं पनपीं, जिनके कारण कई बार पार्टी में टूट हुई। कांग्रेस से निकले लोगों ने अपने नए दल बनाए, कभी उन दलों का कांग्रेस में विलय हुआ, कभी वे साथ चलते रहे। कांग्रेस ने कई बार भितरघात भी सहे। लेकिन इन सबके बीच कभी भी अपनी मूल विचारधारा को नहीं छोड़ा, जो असल में भारत की उदार और समावेशी संस्कृति से निकली है। जिसमें किसी भी किस्म के भेदभाव, संकीर्णता, सांप्रदायिकता, नफरत और हिंसा के लिए जगह नहीं है। उच्च नैतिक आदर्शों के साथ अस्तित्व को कायम रखना आसान नहीं था, लेकिन कांग्रेस इस कसौटी पर खरी उतरती आई है।स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिल्कुल सही कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है, उन्हें साफ संदेश है कि पार्टी भले सत्ता में न हो, लेकिन उसकी रीढ़ सीधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न कभी संविधान से समझौता किया, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही लोगों के अधिकारों से। श्री खड़गे ने साफ कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो कभी खत्म नहीं हो सकती। आज जब संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं कांग्रेस उसी भारत के लिए संघर्ष जारी रखेगी, जिसका सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश की आत्मा और संविधान को बचाने की है।इसी तरह राहुल गांधी ने भी कहा कि कांग्रेस हमेशा समाज के कमजोर, वंचित और मेहनतकश वर्ग के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। कांग्रेस का संकल्प नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई को और मजबूत करने का है। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान को बचाने के लिए है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने संविधान बचाने के लिए कांग्रेस के संघर्ष को जारी रखने का जो आह्वान किया है, उसमें एक तरफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निराशा से बाहर निकालने और लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार किया गया है, वहीं दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को इशारे से जवाब भी दिया गया है कि सत्ता रहे न रहे लेकिन रीढ़ सीधी होनी चाहिए यानी आत्मसम्मान बना रहना चाहिए, जिसमें कांग्रेस अब तक सफल रही है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 27 दिसंबर को लालकृष्ण आडवानी और नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए भाजपा और संघ के संगठन की तारीफ की, कि जमीन पर बैठने वाला एक कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन गया। इस तस्वीर में आडवानी सोफे पर बैठे हैं और नरेन्द्र मोदी जमीन पर।दिग्विजय सिंह की पोस्ट पर सवाल उठने लगे कि क्या श्री सिंह अब भाजपा में जाने की तैयारी कर रहे हैं या ये राज्यसभा में फिर से आने की भूमिका बांधी गई है। दिग्विजय सिंह ने क्या राहुल गांधी और कांग्रेस में गांधी परिवार के रसूख पर हमला बोला है, ये कयास भी लगे। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन किया है और कहा जी हां मैं भी यही चाहता हूं कि पार्टी संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जाएश्। हमारा 140 साल का इतिहास है, और हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम खुद से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। सब जानते हैं कि कांग्रेस में जहां अध्यक्ष का बाकायदा चुनाव होता है, वहीं भाजपा में अंदरूनी लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। वहां पहले से टू मच डेमोक्रेसी की पहचान करते हुए एक किस्म की तानाशाही बनी हुई है। पार्टी का संविधान कुछ भी कहे, भाजपा में आज की तारीख में वही होता है, जो नरेन्द्र मोदी और अमित शाह तय करते हैं। चाहे दिग्गज नेताओं को एक झटके में किनारे करते हुए कम पहचाने चेहरों में से किसी को मुख्यमंत्री बनाना हो या जब मन चाहे मुख्यमंत्री समेत पूरी केबिनेट बदलना हो या रातोंरात किसी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाना हो और अध्यक्ष का कार्यकाल खत्म होने के बावजूद उसे एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन देना हो, मोदी–शाह की जोड़ी ही सारे फैसले लेती है और इसमें किसी जमीन पर बैठने वाले कार्यकर्ता की बात तो दूर, कई सालों से सांसद और विधायक बनने वाले वरिष्ठ नेता भी हूं चूं नहीं कर पाते। जिन लालकृष्ण आडवानी के सामने नरेन्द्र मोदी जमीन पर बैठे थे, उन्हीं आडवानी को कैसे कई मौकों पर मोदी ने बेइज्जत किया है, ये भी दिग्विजय सिंह और शशि थरूर ने देखा ही है। फिर भी उन्हें भाजपा और संघ से प्रेरित होना हो, तो इसमें अब मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सावधान होने की जरूरत है। भाजपा तो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से कांग्रेस मुक्त भारत बनाने की बात कहती आई। उसमें सफल नहीं हो पाई तो कांग्रेस में बड़ी सेंध लगाकर उसके कई नेताओं को भगवा गमछा ओढ़ा दिया। राहुल गांधी ने तब भी कहा कि अच्छा है हमारे यहां सफाई हो गई। अभी लोकसभा हारने के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार भी कांग्रेस हारी, लेकिन फिर भी उतने ही दम से कांग्रेस भाजपा को मनरेगा खत्म करने से लेकर अरावली में खनन और एसआईआर की गड़बड़ियों पर चुनौती दे रही है। 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस की जमीनी ताकत भाजपा ने देखी है और अब 5 जनवरी से मनरेगा बचाने के लिए फिर से कांग्रेस आंदोलन की शुरुआत कर रही है।

भारत के लिए बेअसर रहा ट्रंप का टैरिफ

प्रेम शर्मा

हाँ, अमेरिका ने 27 अगस्त 2025 से भारत के कई निर्यात उत्पादों पर कुल 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाया था, जिसका मुख्य कारण भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना था, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने बाजार विविधीकरण और उत्पादों में विविधता लाकर इस झटके का सामना किया और निर्यात को बनाए रखा, जिससे 2026 में भी निर्यात में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर लगभग 50 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया. उसके बाद भी भारत के एक्सपोर्ट ने ट्रंप टैरिफ को पानी पानी पिला दिया और भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को डायवर्सिफाई करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा. जानकारों का कहना है कि ट्रंप के टैरिफ से भारत को जितने नुकसान होने की संभावना थी वो नहीं हुआ है. इसके विपरीत तेजी देखने को मिली है. जिसका प्रमुख कारण भारत की लंबे समय से की जा रही तैयारी और दुनिया के दूसरे बाजारों में भारत की एक्सेप्टेंस है। इसी से इस बॉत का अनुमान है कि भारत के निर्यात में 2026 में मजबूत वृद्धि होने की पूरी संभावना है। ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ नए व्यापार समझौतों से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2025 लगभग बीत रहा है ऐसे में अमेरिकी टैरिफ के बावजूद, 2025 में अमेरिका को निर्यात में भारी वृद्धि हुई। जो भारत की कूटनीति और व्यापार नीति का प्रमाण कही जा सकती है। खास तौर से इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर्स में यह वृद्धि सबसे अधिक रही। यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है. व्यापार मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के शब्दों में, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है. इसी सिद्धांत के साथ भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड–19 महामारी, रूस–यूक्रेन युद्ध, इजराइल–हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है। ज्ञात हो कि 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। इस तारीख के बाद बहुत से देशों के अमेरिका से संबंध खराब होना शुरू हो गए थे। उनमें से एक भारत भी था। सत्ता में आते ही ट्रंप के तेवर पहले ही दिन से पूरी दुनिया को समझ में आ गए थे। टैरिफ की रट लगाने वाले ट्रंप आज इस मुद्दे पर बहुत कम ही बोलते हैं। वह चौतरफा घिर चुके हैं। भारत ने उनके टैरिफ का मुंहतोड़ जवाब दिया।अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट के नुकसान की भरपाई करने और साथ ही भारत के विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए, भारत ज्यादा से ज्यादा ट्रेडिंग पार्टनर्स की तलाश कर रहा है। 2025 में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन किए।भारत–यूरोपीय मुक्त व्यापार संगठन और आर्थिक साझेदारी समझौता मार्च 2024 में साइन किया गया था। यह आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर 2025 को चार सदस्य देशोंरू आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ लागू हुआ। यही नही भारत रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक पार्टनरशिप और चीन के साथ हाल ही में बेहतर हुए संबंधों का भी फायदा उठा रहा है ताकि एक्सपोर्ट के मौके तलाशे जा सकें और इन्वेस्टमेंट आकर्षित किया जा सके। अमेरिकी टैरिफ के नेगेटिव असर का मुकाबला करने के लिए भारत की रणनीति ने महत्वपूर्ण गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स सुधारों के जरिए अपनी मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था का फायदा उठाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में भारतीय रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले काफी और लंबे समय तक गिरावट देखी गई। रुपया लगातार नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचता रहा। यह करेंसी, जो साल की शुरुआत में लगभग 85.64 प्रति डॉलर पर थी, दिसंबर की शुरुआत में मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण 90 के निशान को पार कर गई और दिसंबर के मध्य तक छ91 के निशान को भी पार कर गई। सरकार ने इसे जानबूझकर नहीं रोका। लेकिन जब लगा रोकना जरूर तो भारतीय रिजर्व बैंक ने इसमें दखल दिया। विशेषज्ञों की माने तो कमजोर रुपया चुपचाप भारत की एक्सपोर्ट कमाई को बढ़ाता है। यह बात अब और भी मायने रखती है, क्योंकि ज्यादा टैरिफ और राजनीतिक तनाव के कारण ग्लोबल ट्रेड मुश्किल होता जा रहा है। अमेरिका ने कई भारतीय प्रोडक्ट्स पर टैरिफ बढ़ा दिए हैं, लेकिन कमजोर रुपये ने इसके असर को कम कर दिया है। ज्ञात हो कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य है। भारत का निर्यात 2020 में लगभग 276.5 अरब डॉलर था, जो 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर हो गया था. 2023 में यह गिरकर 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन फिर 2024 में यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 (जनवरी–नवंबर) तक इसका आंकड़ा लगभग 407 अरब डॉलर हो चुका है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार वित्त वर्ष 2024–25 में भारत का माल और सेवा निर्यात ऐतिहासिक उच्च स्तर 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर छह प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल–नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर रहा। जो वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लचीलेपन को दर्शाता है। वर्तमान रुझानों के आधार पर 2026 में भी भारत की निर्यात वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है। खास तौर पर तीन मुक्त व्यापार समझौते (ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड) नए साल लागू होने वाले हैं। जो भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को बेहतर बाजार पहुंच देंगे। अमेरिका ने 2025 में भारतीय वस्तुओं पर उच्च शुल्क लागू किए. इसके कारण सितंबर और अक्टूबर में अमेरिका के लिए निर्यात प्रभावित हुआ। लेकिन नवंबर 2025 में अमेरिका के लिए निर्यात 22. 61 प्रतिशत बढ़कर 6.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो निर्यातकों के अनुकूल संकेत है। हालांकि, निर्यातक अभी भी वैश्विक अनिश्चितताओं को लेकर सतर्क हैं। वे अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की आशा कर रहे हैं ।

कर्बला तालकटोरा से चोरी हुआ घोड़ा 'जुल्जना' बरामद, शातिर अभियुक्तगिरफ्तार, सीसीटीवी और सर्विलांस से खुला मामला

लखनऊ।(संवाददाता) पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पश्चिमी जोन अंतर्गत थाना तालकटोरा क्षेत्र में कर्बला तालकटोरा से चोरी हुए घोड़े 'जुल्जना (दूलदूल)' की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर चोरी गया घोड़ा सकुशल बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई थाना तालकटोरा और सर्विलांस टीम, पश्चिमी जोन की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा की गई।पुलिस आयुक्त के आदेश और पुलिस उप आयुक्त पश्चिमी तथा अपर पुलिस उप आयुक्त पश्चिमी के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त बाजारखाला और प्रभारी निरीक्षक थाना तालकटोरा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने इस घटना का खुलासा किया। पुलिस ने प्रेम डेयरी, थाना पारा क्षेत्र से अभियुक्त छोटू वर्मा पुत्र रामू वर्मा, निवासी नई चार मंजिल हंसखेड़ा, थाना पारा, लखनऊ को गिरफ्तार किया। अभियुक्त का मूल पता मलकादी सराय, थाना हसनगंज, जनपद उन्नाव बताया गया है। अभियुक्त की निशानदेही पर चोरी गया घोड़ा 'जुल्जना (दूलदूल)' रंग सफेद, जनपद उन्नाव से बरामद किया गया।घटना के संबंध में 24 दिसंबर 2025 को कर्बला तालकटोरा निवासी सैय्यद फैजी द्वारा थाना तालकटोरा पर घोड़ा चोरी की तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर मुकदमा संख्या 263ध2025 धारा 303(2) बीएनएस के तहत पंजीकृत किया गया था। बरामदगी के बाद मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी द्वारा दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का गहन विश्लेषण किया। फुटेज के अवलोकन के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान छोटू वर्मा के रूप में हुई, जो पूर्व में वादी के यहां कार्य कर चुका था। सीसीटीवी फुटेज में अभियुक्त को घोड़े को अपने साथ ले जाते हुए स्पष्ट रूप से देखा गया।सर्विलांस टीम के सहयोग, तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अभियुक्त की पहचान सुनिश्चित की गई और उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने अपने साले फिरोज उर्फ भैय्या के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने बताया कि सहअभियुक्त फिरोज उर्फ भैय्या की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह पूर्व में कर्बला तालकटोरा क्षेत्र में कार्य कर चुका था, जिसके कारण उसे इलाके की भौगोलिक स्थिति, आवागमन के रास्तों और आसपास के परिवेश की पूरी जानकारी थी। इसी जानकारी का दुरुपयोग कर उसने अपने साले के साथ मिलकर योजना बनाकर घोड़े की चोरी की।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अभियुक्त छोटू वर्मा के खिलाफ पूर्व में भी थाना तालकटोरा में वर्ष 2022 में चोरी से संबंधित मुकदमा दर्ज है। इस पूरी कार्रवाई में थाना तालकटोरा और सर्विलांस पश्चिमी जोन की पुलिस टीम की अहम भूमिका रही, जिनके संयुक्त प्रयास से घटना का सफल अनावरण हो सका।

बीबीएयू ने वर्ष 2025 में रचा प्रगति का नया इतिहास शिक्षा, शोध और नवाचार में बनाई राष्ट्रीय पहचान

लखनऊ बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने वर्ष 2025 में शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, नवाचार, सामाजिक सरोकार और अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है। विश्वविद्यालय की ये उपलब्धियाँ उसकी सकारात्मक सोच, कार्यकुशल प्रशासन और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं।वर्ष 2025 में विश्वविद्यालय को कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल का नेतृत्व प्राप्त हुआ। उनके पदभार ग्रहण करने के बाद अल्प समय में ही विश्वविद्यालय ने अनेक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किए। दूरदर्शी दृष्टिकोण, नवाचारोन्मुख सोच और प्रभावी प्रशासनिक क्षमता के कारण बीबीएयू ने प्रगति की नई दिशा तय की और शैक्षणिक जगत में अपनी अलग पहचान बनाई।शैक्षणिक सत्र 2024–25 में बीबीएयू ने एनआईआरएफ की कुल रैंकिंग में 37वाँ स्थान प्राप्त कर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय को इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की ओर से 3.5 स्टार रेटिंग मिली। इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय ने 19वाँ स्थान प्राप्त किया, जबकि आउटलुक इंडिया की रैंकिंग में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 8वाँ स्थान हासिल कर गौरव बढ़ाया।इसी वर्ष विश्वविद्यालय के विकास को गति देने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर विश्वविद्यालय के विभिन्न विकास कार्यों पर सार्थक चर्चा की। मुख्यमंत्री युवा कॉन्क्लेव में कुलपति ने विद्यार्थियों को उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया। वर्ष 2025 में विश्वविद्यालय परिसर में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से निर्मित सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से निर्मित ओबीसी पुरुष छात्रावास का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही आधुनिक व्याख्यान कक्ष परिसर की आधारशिला भी रखी गई।बीबीएयू को वर्ष 2025 में संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ द्वारा 'रक्तदाता चौंपियन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालय को 'एनिमल हाउस' की मान्यता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय को भारतीय अनुसंधान उत्कृष्टता साइटेशन अवॉर्ड प्राप्त हुआ और वाइब्रेंट इंडियादृ2025 एवं पीएसईज एक्सपो में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कुलपति द्वारा समाजोपयोगी शोध परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के लिए इंट्राम्यूरल ग्रांट की घोषणा की गई। 'भारत बौद्धिक योजना' के अंतर्गत कला, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित 21 पुस्तकों का विमोचन किया गया। नवाचार, राष्ट्रीय शिक्षा नीतिदृ 2020 और रोजगारपरक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए 24 नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'एक पेड़ माँ के नामदृ2.0 अभियान' के तहत 2100 लोगों द्वारा एक साथ 2100 पौधे रोपित कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया गया। पीएचडी शोधार्थियों के लिए एक पौधा लगाना, उसकी देखभाल करना और शोध प्रबंध के साथ उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया, जो विश्वविद्यालय की एक अभिनव पहल है। साथ ही ऐमीनेंट लेक्चर सीरीज, योग महाकुंभदृ 2025, राष्ट्रीय शिक्षा नीतिदृ2020 उन्मुखीकरण कार्यक्रम और गोमती नदी के तट पर 60 दिवसीय रिवर योग अभियान का सफल आयोजन किया गया।वर्ष 2025 में विश्वविद्यालय ने मैक्स अस्पताल, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, गोमती टास्क फोर्स, एमएसएमई विभाग उत्तर प्रदेश, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पीएमदृविद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को शैक्षणिक ऋण और ब्याज में छूट का लाभ प्रदान किया गया।

परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण पखवाड़ा, टैबलेट वितरण जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।इसी वर्ष बीबीएयू के कई शिक्षकों ने विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधकर्ताओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान, पेटेंट और फैलोशिप प्राप्त हुईं। जैव उर्वरक उत्पादन, बायोप्लास्टिक, नैनोफाइबर तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चिकित्सा उपकरण, स्मार्ट सेंसर, आरएनए आधारित वैक्सीन और ऊर्जा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में किए गए कार्यों ने विश्वविद्यालय को शोध का एक सशक्त केंद्र बनाया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के कुशल, दूरदर्शी और नवाचारपरक नेतृत्व में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2025 की ये उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय को शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय आदर्श के रूप में स्थापित करती हैं।

कड़ाके की ठंड में भी मुख्यमंती योगी का जनसेवा संकल्प, गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कर सुनीं 150 से अधिक लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, लखनऊ (संवाददाता)। भीषण ठंड और प्रतिकूल मौसम के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसेवा के अपने संकल्प को कायम रखते हुए सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन का आयोजन किया। जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने आमजन से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। समस्या लेकर पहुंचे लोगों से आत्मीय संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा और सरकार सभी की भरपूर मदद करेगी।सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कुर्सियों पर बैठे लोगों के बीच स्वयं जाकर एक–एक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और प्रार्थना पत्र स्वीकार किए। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी और संतोषजनक ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ित को वास्तविक राहत मिल सके।जनता दर्शन के दौरान भूमि विवाद और अवैध कब्जे से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई दबंग या माफिया किसी की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा है तो उसके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए। गरीबों और कमजोर वर्ग को उजाड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए। जहां पैमाइश की आवश्यकता हो, वहां तत्काल पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराने के निर्देश भी दिए गए। पारिवारिक विवादों के मामलों में मुख्यमंत्री ने दोनों पक्षों से संवाद के जरिए समाधान निकालने पर जोर दिया।इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि धन की कमी इलाज में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल द्वारा तैयार किए गए इस्टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराकर शासन को भेजी जाए। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से जरूरतमंदों को इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन के दौरान अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की हिदायत दी और कहा कि हर पीड़ित की समस्या को गंभीरता से लें। जनसेवा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कड़ाके की ठंड में भी जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का समाधान करने की यह पहल सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भाजपा में पद पर्चा निकालकर मिलते हैं, समाजवादी पार्टी नेता गढ़ने की फैक्ट्री है: नरेश उत्तम पटेल

लखनऊ(संवाददाता) समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं फतेहपुर से सांसद नरेश उत्तम पटेल ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि भाजपा में अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी पर्चा निकालकर बनाए जाते हैं, जबकि समाजवादी पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो जमीन से नेता तैयार करती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में लोकतांत्रिक तरीके से नेतृत्व उभरता है और कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिलता है।नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि वे स्वयं आठ वर्षों तक समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे। वर्ष 2017 में रमाबाई अंबेडकर मैदान में समाजवादी पार्टी के 25 हजार डेलीगेट्स ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष चुना था और 2022 में दोबारा इस जिम्मेदारी से नवाजा गया। पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें फतेहपुर से प्रत्याशी बनाया और जनता ने सांसद के रूप में चुना। इसके बाद श्याम लाल पाल को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने उन्हें तीन बार विधान परिषद का सदस्य बनाया और 1990 में नेताजी मुलायम सिंह यादव की सरकार में मंत्री के रूप में काम करने का अवसर भी दिया।मीडिया से बातचीत में नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि समाजवादी पार्टी विचारधारा की पार्टी है, जबकि भाजपा केवल वोटों के लिए पिछड़ों की बात करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लगातार कमजोर कर रही है। नौकरियों में बड़े पैमाने पर आरक्षण घोटाले किए गए। 69 हजार शिक्षक भर्ती में पिछड़े वर्ग के युवाओं के करीब 18 हजार पदों को लूटा गया। इसी तरह अन्य भर्तियों में भी पिछड़ों के आरक्षण के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हाल ही में लेखपाल भर्ती में भी पिछड़े वर्ग के आरक्षण के साथ लूट की गई थी।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इन मुद्दों को मजबूती से उठाया। समाजवादी पार्टी ने हर स्तर पर संघर्ष किया, सड़क से सदन तक आवाज उठाई, तब जाकर पिछड़े वर्गों को उनका हक मिल सका। उन्होंने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी दबाव न बनाती तो भाजपा सरकार पिछड़ों का हक पूरी तरह छीन लेती।नरेश उत्तम पटेल ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा कर रही है। भाजपा सरकार पढ़े–लिखे युवाओं को एनएफएस बताकर नौकरियों से वंचित कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, कमजोर और वंचित वर्ग को ऊपर उठाने का काम करती है और समाज में बढ़ती गरीबी और अमीरी की खाई को कम करने की दिशा में काम करती है।उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रहे हैं, जबकि सच्चाई जनता के सामने है। अखिलेश यादव देश के बड़े नेता हैं। इंडिया गठबंधन ने जब उत्तर प्रदेश में 43 सीटें जीतकर लोकसभा में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, तभी से एनडीए गठबंधन घबराया हुआ है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की कार्यशैली, राजनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता उन्हें एक राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित करती है और भाजपा इसी से भयभीत है।

यमुना एक्सप्रेस-वे बना उत्तर प्रदेश के औद्योगिक पुनर्जागरण की रीढ़, योगी सरकार की दूरदर्शी नीति से निवेश और रोजगार का नया केंद्र

लखनऊ(संवाददाता),उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में यमुना एक्सप्रेस–वे अब केवल एक सड़क नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच, मजबूत इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व का जीवंत प्रतीक बन चुका है। कभी दिल्ली और आगरा को जोड़ने वाले साधारण कॉरिडोर के रूप में पहचाना जाने वाला यह एक्सप्रेस–वे आज प्रदेश के औद्योगिक पुनर्जागरण, निवेश विस्तार और नियोजित शहरीकरण का सबसे बड़ा आधार बनकर उभरा है। योगी सरकार ने यमुना एक्सप्रेस–वे को सिर्फ यातायात सुविधा तक सीमित न रखते हुए इसे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले इंजन के रूप में विकसित किया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास का ऐसा मॉडल अपनाया है, जिसने प्रदेश की छवि देश और दुनिया में बदली है। यमुना एक्सप्रेस–वे के दोनों ओर विकसित हो रहे औद्योगिक क्लस्टर, आधुनिक अर्बन सेंटर्स और लॉजिस्टिक्स हब इस बात के प्रमाण हैं कि सरकार की नीतियां केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीन पर ठोस परिणाम दे रही हैं। यह क्षेत्र अब उस नए उत्तर प्रदेश की पहचान बन रहा है, जहां निवेशकों को भरोसा, युवाओं को रोजगार और प्रदेश को आर्थिक मजबूती मिल रही है।प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन दीपक मैनी के अनुसार, यमुना एक्सप्रेस–वे के आसपास विकसित हो रही परियोजनाएं उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। यह पूरा क्षेत्र प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के माध्यम से सरकार ने नियोजित विकास का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जो उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करेगा। लगभग 3000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला यह औद्योगिक विकास क्षेत्र दो चरणों में विकसित किया जा रहा है। इसमें औद्योगिक, आवासीय, वाणिज्यिक और मिश्रित भूमि उपयोग की स्पष्ट और संतुलित योजना बनाई गई है, जिससे अनियोजित शहरीकरण पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सका है। मुख्यमंत्री की यह स्पष्ट मंशा रही है कि विकास का लाभ केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि आसपास के जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंचे। यमुना एक्सप्रेस–वे के किनारे विकसित हो रहे औद्योगिक क्लस्टर इसी सोच का परिणाम हैं।बेहतर सड़क नेटवर्क, निर्बाध बिजली आपूर्ति, जल निकासी और अन्य आधारभूत सुविधाओं के कारण यह पूरा क्षेत्र निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। दिल्ली, आगरा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से मजबूत कनेक्टिविटी ने यमुना एक्सप्रेस–वे क्षेत्र को लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग के लिए आदर्श बना दिया है। इसके साथ ही जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस पूरे क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय पहचान देने जा रहा है। योगी सरकार ने एयरपोर्ट को केंद्र में रखकर औद्योगिक शहरों, लॉजिस्टिक्स हब और रोजगार केंद्रों की एक पूरी श्रृंखला विकसित करने की रणनीति तैयार की है।जेवर क्षेत्र में प्रस्तावित एचसीएल फॉक्सकॉन की ओसैट यूनिट, जिसके लिए जनवरी 2026 में भूमि पूजन संभावित है,

मिशन शक्ति5.0: पिंक बूथ से महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण का सशक्तसदेश, डालीगंज रेलवे क्रासिंग पर चला जागरुकता अभियान

लखनऊ(संवाददाता)रूमहिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर लखनऊ पुलिस द्वारा चलाया जा रहा मिशन शक्ति 5.0 अभियान जमीनी स्तर पर लगातार प्रभावी साबित हो रहा है। इसी क्रम में थाना मदेयगंज क्षेत्र अंतर्गत पिंक बूथ 61 की टीम ने डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग पर महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया। सर्द मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं और राहगीरों की सहभागिता इस कार्यक्रम की सफलता को दर्शाती है।महिला कांस्टेबल आंचल सिंह और अर्चना पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को उनके साथ होने वाले अपराधों, कानूनी अधिकारों और उपलब्ध सुरक्षा तंत्रों की विस्तृत जानकारी दी गई। टीम ने घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण, छेड़छाड़ और साइबर अपराध जैसे विषयों पर खुलकर चर्चा की और बताया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद कैसे प्राप्त की जा सकती है।कार्यक्रम के दौरान 1090 महिला पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्डलाइन, 112 इमरजेंसी रिस्पांस, 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन सहित अन्य आवश्यक सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही यूपी कॉप ऐप, महिला हेल्प डेस्क, पिंक स्कूटी और पिंक बूथ की कार्यप्रणाली को सरल भाषा में समझाया गया, ताकि महिलाएं बिना झिझक पुलिस सहायता ले सकें।लखनऊ कमिश्नरेट में मिशन शक्ति 5.0 के तहत जिले के 54 थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं,

जहां प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ महिलाओं से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था की गई है। यह पहल महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के साथ–साथ उन्हें आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग पर आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम स्थानीय महिलाओं और बच्चों को सीधे उनके अधिकारों और सुरक्षा व्यवस्थाओं से जोड़ने का प्रभावी प्रयास रहा। मिशन शक्ति के तहत चल रहे ऐसे अभियानों से न केवल अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता और भरोसे का माहौल भी मजबूत हो रहा है। लखनऊ पुलिस का यह प्रयास एक सुरक्षित, सजग और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

स्नातक/शिक्षक विधान परिषद चुनाव की तैयारियों में कांग्रेस सक्रिय, 11 सीटों पर वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने नवंबर 2026 में होने वाले स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद की कुल 11 सीटों के चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन चुनावों के दृष्टिगत कांग्रेस ने सभी स्नातक और शिक्षक विधान परिषद सीटों पर वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि संगठन को समय रहते मजबूत किया जा सके और चुनावी तैयारी को धार दी जा सके।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अमित राय तथा लखनऊ स्नातक विधान परिषद सीट के कोऑर्डिनेटर देवमणि तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। प्रेस ब्रीफिंग में कांग्रेस नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि पार्टी स्नातक और शिक्षक वर्ग से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठाएगी और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी ने जानकारी देते हुए बताया कि लखनऊ स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद सीट के लिए किशोरी लाल शर्मा सांसद और पूर्व सांसद पीएल पुनिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। वाराणसी सीट की जिम्मेदारी पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी और पूर्व विधायक पशुपति नाथ राय को सौंपी गई है। आगरा सीट के लिए राकेश राठौर सांसद और पूर्व एमएलसी विवेक बंसल को पर्यवेक्षक बनाया गया है। मेरठ स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद सीट पर इमरान मसूद सांसद और पूर्व एमएलसी हरेंद्र अग्रवाल को पर्यवेक्षक की भूमिका दी गई है। इलाहाबाद स्नातक सीट के लिए उज्जवल रमण सिंह सांसद और पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बरेलीदृमुरादाबाद शिक्षक सीट पर पूर्व सांसद कुंवर दानिश अली और पूर्व विधायक फूल कुंवर को पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं गोरखपुरदृफैजाबाद शिक्षक विधान परिषद सीट के लिए तनुज पुनिया सांसद और पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।इसी क्रम में मेरठदृसहारनपुर शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले चुनाव के लिए वरिष्ठ शिक्षक नेता बाकिर हुसैन उर्फ बाकर हुसैन को कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। पार्टी का मानना है कि उनके अनुभव से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी।कांग्रेस नेतृत्व ने संकेत दिए कि आने वाले समय में स्नातक और शिक्षक वर्ग से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में व्यापक संवाद और संपर्क अभियान चलाया जाएगा। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस पूरी तैयारी के साथ उतरेगी और लोकतंत्र, शिक्षा तथा रोजगार से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाएगी।

प्रेस एनालिसिस ऑफ एशिया ने स्कूल में किया नशा विरोधी भव्य कार्यक्रम का आयोजन

उन्नाव (संवाददाता)। प्रेस एनालिसिस ऑफ एशिया द्वारा ग्राम मिर्री कला, असोहा, तहसील पुरवा, जनपद उन्नाव स्थित S-D-R-R- Higher Secondary School में एक दिवसीय नशा मुक्त अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि IPS अखिलेश निगम, डीआईजी (CB CID), पुलिस विभाग रहे। उत्तर प्रदेश मद्य निषेध विभाग के सहयोग से नशा विरोधी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि IPS अखिलेश निगम ने अपने संबोधन में कहा कि नशा देश के युवाओं को खोखला कर रहा है। उन्होंने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं में मृत्यु दर लगातार बढ़ रही है। इसी उद्देश्य से नशा मुक्ति अभियान के साथ–साथ यातायात नियमों के पालन हेतु बच्चों को जागरूक किया गया तथा तेज वाहन न चलाने एवं नशा न करने की शपथ दिलाई गई। मद्य निषेध विभाग द्वारा आयोजित नशा विरोधी प्रतियोगिता कार्यक्रम में भाग लेने वाले 25 स्कूली बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि ओज कवि अटल नारायण के कवितापाठ से विद्यालय परिसर गूंज उठा। उनकी ओजस्वी कविताओं ने बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि नशा भारत के प्रत्येक कोने में फैल गया है, अब हम सभी को मिलकर इसे दूर भगाना होगा। कार्यक्रम के प्रयोजक संतोष सिंह (डिप्टी चेयरमैन, उत्तर प्रदेश दृ प्रेस एनालिसिस ऑफ एशिया) ने कहा कि संस्था द्वारा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में युवाओं के लिए जनजागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्त भारत से जोड़ने का कार्य किया जाएगा, जिससे नशे से हो रही मौतों पर रोक लग सके। विशिष्ट अतिथि बृजमोहन, उपक्षेत्रीय मद्य अधिकारी ने कहा कि मद्य निषेध विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से विभाग की उपलब्धियों को

दर्शाया गया। उन्होंने बताया कि स्कूल में खेल, निबंध, कला एवं अन्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों ने नशा विरोधी विचार प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बिनोद कुमार, प्रबंधक, S-D-R-R- Higher Secondary School ने कहा कि नशा मुक्ति आंदोलन में भाग लेना स्कूली बच्चों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त किया, जो राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने हेतु अभियान चला रहे हैं। डॉ. ए. के. सेठ, मंडल लखनऊ, संरक्षक प्रेस एनालिसिस ऑफ एशिया ने कहा कि नशा नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे मन और घर दोनों बर्बाद हो जाते हैं। सुरेश कुमार, प्रधान सहायक (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश शासन) ने कहा कि नशा विरोधी कार्यक्रम आने वाली युवा पीढ़ी के लिए गौरवशाली भविष्य का निर्माण करेगा। इसके लिए उन्होंने शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। राकेश कश्यप, मंडल चेयरमैन, लखनऊ ने कड़ाके की ठंड में भी अनुशासनपूर्वक बैठे स्कूली बच्चों के साहस की सराहना की तथा अध्यापकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे बच्चों को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर कर रहे हैं और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक कर रहे हैं।

वाणिज्य बंधु की बैठक में व्यापारिक समस्याओं का मुद्दा गूंजा, चौक/केजीएमयू क्षेत्र की ट्रैफिक अव्यवस्था पर जिलाधिकारी ने दिए ठोस कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ(संवाददाता)। को वाणिज्य बंधु की महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी कार्यालय स्थित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सभागार में सायं 4 बजे आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी विशाख ने की। इस दौरान लखनऊ व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और व्यापारिक प्रतिनिधियों ने शहर के विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़ी गंभीर जनसमस्याओं को उठाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।बैठक में लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र के नेतृत्व में महामंत्री अनुराग मिश्र, युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता, हरीश साह, राजू शुक्ला, संजीव अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शहर में लंबे समय से चली आ रही प्रशासनिक अव्यवस्थाओं का सीधा असर व्यापार, आम नागरिकों और यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है।अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने नगर निगम से जुड़ी समस्याओं को गंभीर बताते हुए कहा कि रकाबगंज सब्जी मंडी को बार–बार हटाए जाने के बावजूद उसका दोबारा लग जाना वजीरगंज थाना क्षेत्र में प्रशासनिक निष्क्रियता को दर्शाता है। इसका सीधा असर यहियागंज, पाण्डेयगंज, मौलवीगंज और नक्खास जैसे प्रमुख बाजारों पर पड़ रहा है, जिससे व्यापार के साथ–साथ आम जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है।महामंत्री अनुराग मिश्र ने चौक क्षेत्र को पुराने शहर का प्रमुख व्यापारिक और सामाजिक केंद्र बताते हुए कहा कि ठाकुरगंज, बालागंज, हरदोई रोड, ऐशबाग और सीतापुर रोड जैसे क्षेत्रों का आवागमन चौक से होकर होता है। प्रतिदिन लगभग पांच लाख की आबादी इस क्षेत्र से जुड़ी रहती है। इसी इलाके में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय और लारी कार्डियोलॉजी संस्थान स्थित होने के कारण गंभीर मरीजों की आवाजाही भी इन्हीं मार्गों से होती है।

मुडेरा पीएचसी में दवाओं का टोटा, चिकित्सक रहे नदारद

अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले की हकीकत परखने के लिए सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल ने रविवार को चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई केंद्रों पर गंभीर खामियां सामने आईं। मुंडेरा पीएचसी में निरीक्षण के दौरान महज 60 दवाएं ही उपलब्ध पाई गईं, जिस पर सीएमओ ने नाराजगी जताई। इसके बाद सीएमओ ने हंसवर पीएचसी का निरीक्षण किया, जहां मरीजों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन दवाओं की उपलब्धता संतोषजनक पाई गई। वहीं लखनपट्टी पीएचसी में भी कुछ दवाओं की कमी मिली, जिसे शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के क्रम में सीएमओ गोबिंद साहब मेले में बने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां व्यवस्थाएं तो ठीक मिलीं, लेकिन मेला ड्यूटी में तैनात चिकित्सक डॉ. ओम विकास मिश्रा मौके से नदारद पाए गए। जांच में सामने आया कि चिकित्सक लगातार तीन दिनों से अनुपस्थित हैं। इस पर सीएमओ ने कड़ा रुख अपनाते हुए नदारद चिकित्सक का तीन दिन का वेतन रोक दिया और स्पष्टीकरण तलब किया। सीएमओ ने स्पष्ट किया कि जहां–जहां दवाओं की कमी पाई गई है, वहां तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाएगी, जबकि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उधर एसीएमओ डॉ. रामानंद सिद्धार्थ ने ब्राहिमपुर कुसमा पीएचसी का निरीक्षण किया, जहां न तो कोई विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद मिला और न ही आशा कार्यकर्ता। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई।

आधार कार्ड व खतौनी के नामों में अंतर, अधर में फार्मर रजिस्ट्री

अंबेडकरनगर। आधार कार्ड और खतौनी में किसानों के नाम मेल नहीं खा रहे हैं। इससे 84 हजार किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अधर में लटकी हुई है। इसमें संशोधन कराने के लिए किसान तहसील की दौड़ लगा रहे हैं। वहीं फार्मर रजिस्ट्री न कराने वाले किसान योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं। इसे लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई है। जिले में लगभग 4.24 लाख किसानों का फार्मर रजिस्ट्री किया जाना है। अब तक 3.40 लाख किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूरा हो चुका है। वहीं करीब 84 हजार किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अधर में लटकी हुई है। इसमें अधिकांश किसानों का आधार कार्ड और खतौनी आपस में मेल नहीं खा रहा है। इसके साथ ही किसानों का नाम खतौनी के मूल कालम में भी दर्ज नहीं किया गया है। इसकी वजह से फार्मर रजिस्ट्री का पंजीकरण नहीं हो पा रहा है। इससे किसान परेशान हैं। विभाग की मानें तो शासन स्तर से फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य किया गया है। योजना का लाभ लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराने वाले किसान जल्द से जल्द संशोधन कराकर पंजीकरण करा लें, ताकि योजनाओं का लाभ मिलता रहे। दूसरी तरफ कृषि विभाग भी कैंप लगाकर फार्मर रजिस्ट्री का कार्य करवाने में जुटा हुआ है। शासन की तरफ से भी फार्मर रजिस्ट्री कराए जाने पर फोकस किया गया है। उपकृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि किसान अपने खतौनी में संशोधन समस्या के समाधान कराने के लिए तहसील में संपर्क कर निदान कराएं। जिससे फार्मर रजिस्ट्री का लाभ मिल सके।

अगर आपके मकान में हैं अतिरिक्त कमरे तो बढ़ाएं इनकम

लखीमपुर खीरी, पीलीभीत और बहराइच जिले में मकान मालिकों के लिए सुनहरा अवसर

उत्तर प्रदेश के वन एवं सीमावर्ती जिलों में लगातार बढ़ रही पर्यटक संख्या

पर्यटन की रफ्तार से खुले आय के नए द्वार, बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति-2025 से स्थानीय निवासियों को मिलेगा रोजगार- जयवीर सिंह

लखनऊ/लखीमपुर खीरी,। उत्तर प्रदेश में जिस तेजी से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, उसी गति से आवासीय सुविधाओं की मांग बढ़ी है। लखीमपुर खीरी, पीलीभीत और बहराइच में वन्यजीव अभयारण्यों के निकटवर्ती स्थानों में रहने वाले निवासियों के लिए एक नई संभावनाएं विकसित हो रही है। स्थानीय निवासी अपने मकानों के अतिरिक्त कमरे पर्यटकों को उपलब्ध कराकर अच्छी इनकम प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए पर्यटन विभाग बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति–2025 लेकर आया है, जिसमें पंजीकरण सरल और सुलभ है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति–2025 का लाभ उठाएं। मंत्री ने बताया कि श्उत्तर प्रदेश में पर्यटन की बढ़ती रफ्तार अब केवल दर्शनीय स्थलों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इससे स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के नए द्वार भी खुलने लगे हैं। जैसे–जैसे प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है, वैसे–वैसे गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाओं की मांग भी तेजी से बढ़ी है। वन्यजीव अभ्यारण्यों से सटे क्षेत्रों के निवासियों के लिए अपने घरों के अतिरिक्त कमरों को आय का सशक्त साधन बनाने का सुनहरा अवसर सामने आया है। बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति पर्यटन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्थानीय सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में श्बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीतिश आम नागरिकों के लिए एक सुनहरा अवसर बनकर उभरी है। अब यदि आप अपने घर के किसी हिस्से को पर्यटकों के लिए उपयोग में लाना चाहते हैं, तो यह नीति न केवल आपको सम्मानजनक अतिरिक्त आय उपलब्ध कराती है, बल्कि सरकार की ओर से रियायतें, व्यावसायिक प्रशिक्षण और व्यापक प्रचार–प्रसार जैसी सुविधाओं के माध्यम से आपके प्रयासों को सशक्त भी बनाती है।

नीति के अंतर्गत पात्र इकाइयां

शहरी होमस्टे ऐसे आवासीय भवन, जिनमें भूस्वामी स्वयं निवास करता हो एवं उसके पास अपने प्रयोग के बाद अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हो, जिन्हें यह पर्यटकों को आवास हेतु उपलब्ध कराना चाहे। ऐसे कक्षों की संख्या अधिकतम 06 हो सकती है, अर्थात कुल 12 बेड की व्यवस्था किसी एक आवासीय इकाई में हो सकती है। बेड एण्ड ब्रेकफास्ट (बी एण्ड बी) पर्यटन विभाग द्वारा बेड एंड ब्रेकफास्ट (बी एंड बी) इकाइयों से जुड़ी व्यवस्था को स्पष्ट किया गया है। ऐसे आवासीय भवन, जिनमें भूस्वामी स्वयं निवास न करता हो एवं उसके पास 01 से 06 तक कमरे उपलब्ध हो, जिन्हें वह पर्यटकों को आवास हेतु उपलब्ध कराना चाहे। ऐसे कमरों की संख्या अधिकतम 06 (कुल 12 बेड) हो सकती है। बी एंड बी इकाई में एक केयरटेकर रखना अनिवार्य होगा, जो इकाई के रखरखाव एवं संचालन का कार्य करेगा। ग्रामीण होमस्टे

ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे आवासीय भवन, जिनमें भूस्वामी स्वयं निवास करता हो एवं उसके पास अपने प्रयोग के बाद कुछ कक्ष उपलब्ध हों, जिन्हें वह पर्यटकों को आवास हेतु उपलब्ध कराना चाहे, ऐसे कक्षों की संख्या 06 (कुल 12 बेड) तक हो सकती है। मुख्य लाभ आपके और आपके परिवार के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत सृजित होगा। बिजली, जल कर, गृह कर और सीवर कर का भुगतान आवासीय दरों पर किया जाएगा। प्रधानमंत्री मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत छत पर सौर पैनल लगाने के लिए सौर ऊर्जा सब्सिडी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। पर्यटन विभाग के मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान द्वारा आठ सहायक कर्मचारियों को निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। पर्यटन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आपकी इकाई का प्रचार–प्रसार किया जाएगा। पंजीकरण प्रणाली बी एंड बी एवं होम स्टे नीति के अंतर्गत इकाइयों का पंजीकरण एक सरल और पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया है। नई और पहले से संचालित दोनों प्रकार की इकाइयां निर्धारित पोर्टल पर जाकर आसानी से पंजीकरण करा सकती हैं। इससे पर्यटन विभाग के रिकॉर्ड में आपकी इकाई शामिल हो जाती है और नीति के सभी लाभ आपको प्राप्त होते हैं। पंजीकरण हेतु आधिकारिक पोर्टल https://up&tourismportal-in/application/bnb/login है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्सरकारी प्रयासों से उत्तर प्रदेश में ईको टूरिज्म ने सशक्त पहचान बनाई है। इसका स्पष्ट प्रमाण प्रदेश के वन एवं सीमावर्ती जिलों में लगातार बढ़ता पर्यटक आगमन है। वर्ष 2025 में जनवरी से जून महीने तक लखीमपुर में जहां 11.36 लाख से अधिक पर्यटक आए, वहीं पीलीभीत में आगंतुकों की संख्या करीब 24 लाख रही। वहीं, बहराइच में 01.59 लाख से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ। बढ़ती पर्यटक संख्या के साथ गुणवत्तापूर्ण ठहराव की मांग भी तेजी से बढ़ी है। ऐसे में स्थानीय निवासियों के लिए उ०प्र० बेड एण्ड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति–2025 के तहत नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं।

पंचायत का चहुमुखी विकास किया: विकास

राजकीय इंटर कश्लेज बनवाना हमारी प्राथमिकता थी

(केके शुक्ला)

रमियाबेहड़ खीरी। ब्लॉक रमियाबेहड़ मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर ग्राम पंचायत सुजानपुर अपने विकास कार्यों के लिए जानी जाती है। युवा प्रधान प्रतिनिधि के व्यक्तित्व और पंचायत में विकास कार्यों का जुनून चर्चा का विषय बना हुआ है। विकास के मामलों में ब्लॉक अन्य पंचायतों को बहुत पीछे छोड़ रही है। रमियाबेहड़ क्षेत्र की पंचायत सुजानपुर के प्रधान प्रतिनिधि विकास श्रीवास्तव ने बताया कि ग्राम पंचायत की आबादी करीब 15 हजार है। गांवों की सभी लिंक रोड पक्की है, आरसीसी और इंटर लॉकिंग से सड़कों का बेहतरीन काम हुआ है,गांवों में सड़क, पुलिया, नाली और तालाब का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर हुए है। कृष्ण नगर कालोनी में राजकीय हाई स्कूल को उच्चीकृत करवा कर इंटर कालेज का बजट स्वीकृत करवाया जिससे गरीब बच्चो के लिए पंचायत में सस्ती और गुणवत्ता परक शिक्षा की व्यवस्था कराई गई। गांवों में पूजा के लिए छठ घाट बनवाया गया, सभी विद्यालयों की बाउंड्रीवाल, टायलीकरण करवा कर उनकी बुनियादी जरूरतों को पूर्ण किया। बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेल मैदान का निर्माण कराया जिससे खेलो में गांव के प्रतिभाशाली बच्चे आगे बढ़े, गरीब परिवारों को आवास, राशन कार्ड, बुजुर्गों, विधवा महिलाओं और निराश्रितों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाकर आर्थिक स्थित को मजबूत करने का प्रयास किया। आधुनिक पंचायत भवन और आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण करवाया गया।

ग्रामीणों के मुताबिक विकास श्रीवास्तव ने प्रधान प्रतिनिधि नहीं बेटा बनकर गांवों में चहुंमुखी विकास किया है। आजादी के बाद गांव में पहली बार इतने विकास कार्य हुए है। पंचायत विकास के मामलों ने कस्बों को टक्कर दे रहा है। प्रधान प्रतिनिधि विकाश श्रीवास्तव कहते है विकास करना हमारी प्राथमिकता थी। अभी गांव में कुछ और महत्वपूर्ण कार्य बाकी है जिनके लिए प्रयासरत हूं। दो डामर रोड स्वीकृत करवाया हू बजट भी आ गया है बस शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। अंत्येष्टी स्थल का निर्माण कार्य प्रगति पर है, घाघरा नदी कटान को रोकने के लिए देवीपुरवा और माथुरपुर में दो परियोजना स्वीकृत करवाया हू जिस पर फरवरी माह में कार्य शुरू हो जाएगा। आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में स्थापित करने के लिए सुजानपुर को विकसित किया जा रहा है।

तक्षशिला में याद किया गया गुरुओं और साहिबजादों का बलिदान

लखीमपुर खीरी।क्रूर मुगल सल्तनत के अत्याचारों के विरुद्ध सनातन धर्म की दो अटूट शाखाओं हिंदू और सिख जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह और माता गूजरी जी का बलिदान इस बात का गवाह है कि

समाज के योद्धाओं द्वारा किया गया ऐतिहासिक साझा संघर्ष भारतीय इतिहास में विशिष्ट स्थान रखता है। महान हिन्दू क्षत्रिय बाबा हरिदास और माता अनूप कौर के पुत्र एवं सिखों के चौथे गुरु रामदास से लेकर उनके वंशज गुरु अर्जन देव, गुरु हर गोविंद सिंह, गुरु हर राय, गुरु हर कृष्ण, गुरु तेग बहादुर और गुरु गोविंद सिंह क्रमशः सिखों के पांचवें, छठे, सातवें, आठवें, नौवें और दसवें गुरु बने। इन सभी गुरुओं ने सनातन धर्म और उसकी आनुषंगिक शाखाओं अर्थात हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध एवं अन्य भारतीय समुदायों की रक्षार्थ अपना एवं अपने परिवार का सर्वोच्च बलिदान दिया।इन बलिदानों के क्रम में उनके साथ बाबा बंदा बहादुर, बाबा टोडरमल जैसे अनेक हिन्दू योद्धाओं के बलिदान भी अंकित हुए। दशमेश गुरु श्री गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा सनातन संघर्ष की इस महान गाथा में हिंदू–सिख समुदाय के छोटे बच्चों और महिलाओं ने भी अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।सिखों के दसवें गुरु एवं जन्म से क्षत्रिय योद्धा श्री गोविंद राय अपने पिता गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान के बाद आनंदपुर साहिब में सन 1699 की बैसाखी पर पंच प्यारों से अमृत छककर गोविंद सिंह बने और उनके द्वारा बनाए गए खालसा पंथ ने इस्लामी सल्तनत के विरुद्ध विद्रोह का नया दौर शुरू किया। आनंदपुर का किला इस एकता का केंद्र बना, जहां गुरु जी ने राजा दया सिंह जैसे अनेक हिंदू राजाओं को सिख खालसा पंथ के साथ जोड़ा। मुगल सेनापति वजीर खान की सेना के सामने श्वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेहश का उद्घोष गूंजा। भंगानी युद्ध में हिंदू राजपूतों और सिख सिपाहियों ने संयुक्त पराक्रम से दुश्मन को धूल चटाई। वेदों की ऋचाएं और गुरुओं की गुरबानी एक स्वर में गूंजी।चार साहिबजादों का अलौकिक बलिदान इस महायुद्ध का चरम था। बड़े साहिबजादे अजीत सिंह और जुझार सिंह चमकौर के युद्ध में हिंदू–सिख योद्धाओं संग वीरगति को प्राप्त हुए। छोटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद में नवाब वजीर खान ने ठंडे बुर्ज में बंद कर दीवार में चिनवा दिया। माता गुजरी जी ने भी अपना बलिदान देकर गुरुओं की परंपरा का अनुसरण किया। हिंदू राजा टोडरमल ने उनका एवं गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों के अंतिम संस्कार के लिए इस्लामी सल्तनत से भूमि को स्वर्ण मुद्राएं से घेरकर, ऐतिहासिक बना दिया।चमकौर, मुक्तसर जैसे युद्धों में महाराणा रणजीत सिंह जैसे जाट–सिख योद्धाओं ने खालसा संग कंधे से कंधा मिलाकर युद्ध किया। गुरु गोविंद सिंह जी ने राम–कृष्ण की भक्ति के उद्धरणों को गुरबानी में समाहित किया। भगवा ध्वज और खंडा, क्रूर इस्लामिक सल्तनत का अंत करने के लिए साझा रूप से लहराने लगे।शताब्दियों बाद यह बलिदान प्रासंगिक बना हुआ। हिंदू धर्म और खालसा पंथ एक दूसरे के पूरक कवच बनकर उभरे और उनकी एकता की अटूट शक्ति ने आनंदपुर–सरहिंद से भारत की रक्षार्थ धर्मयुद्ध का साझा बिगुल फूंक दिया। इस एकता का यह परिणाम रहा कि एक समय तक अजेय मानी जाने वाली मुगल सल्तनत धीरे–धीरे टूट कर बिखरना शुरू हो गई।गत 28 दिसंबर, 2025 को तक्षशिला विश्वविद्यापीठ, लखीमपुर खीरी में हिंदू–सिख समाज के इन्हीं महान योद्धाओं की पुण्य स्मृति में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय गुरुद्वारे से पधारे शिष्ट–मंडल ने गुरुकुल में गुरबानी का पाठ किया। उसके पश्चात गुरुकुल के छात्रों एवं स्थानीय क्षेत्रवासियों को सनातन की रक्षार्थ दिए गए बलिदानों के विषय में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के पश्चात चार साहिबजादे फिल्म का प्रदर्शन कर सभी श्रद्धालुओं को रील में रियल इतिहास का बोध कराया गया।तक्षशिला विश्वविद्यापीठ के द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का संयोजन कुलदीप रूपम, सरदार बाबा सिंह, बख्शीश सिंह, जगतार सिंह, एवं सतनाम सिंह ने किया। इंजी० रवि सिंह ने गुरुकुल की ओर से गुरु साहिब को विशेष अरदास प्रेषित कर पधारे हुए कथावाचकों का सम्मान किया। एड० राहुल तिवारी, मनोज श्रीवास्तव, रिंकू सिंह, अंकित मेहरोत्रा, कुश मिश्रा, अमन श्रीवास्तव, निखिल जावरानी, आशुतोष कुमार, दीपक अग्रवाल, सांची माथुर, आरती यज्ञसेनी, नवीन चंद्र वैश्य, एवं भानु कुमार ने लंगर सेवा में अपना सहयोग समर्पित कर कार्यक्रम को पूर्णता प्रदान की।एड० अखिलेश सिंह, मोहन धवन, प्रतीक बरनवाल, चेतन आंनद, राकेश सिंह एवं कैलाश नाथ गुप्ता के द्वारा भौतिक रूप से उपस्थित न हो पाने के कारण अपने प्रतिनिधियों के द्वारा गुरु के लंगर में अपनी सेवा समर्पित की गयी। बरेली से सतीश नारायण खन्ना, फरीदाबाद से अजीत कुमार मिश्रा, लुधियाना से अरविंद कुमार कौंडल एवं दिल्ली से धीरज चौधरी ने भी गुरुओं के सम्मान में अपना दूरस्थ अंशदान समर्पित किया। गुरुकुल–निर्माणी टीम से विकास सिंह,कन्हैयालाल मिस्त्री, मुन्नालाल मिस्त्री एवं राजू, जीतू व सुनील श्रमिक बंधुओं ने भी गुरु के लंगर में तन–मन–धन से अपना गिलहरी सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में आचार्य श्रीवृत्त ने सभी आगंतुकों एवं सेवादारों को कार्यक्रम की सफलता हेतु धन्यवाद प्रेषित कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

सशस्त्र सीमा बल ने किया दो दिवसीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन

(हरि शंकर मिश्रा)

लखीमपुर खीरी। तृतीय वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लखीमपुर खीरी द्वारा सीमा चौकी रघुनगर में वाइब्रेट गाँवों के युवाओ के मध्य 02 दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन एवं खेल सामान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मिली जानकारी के अनुसार गत दिवस तृतीय वाहिनी.

सशस्त्र सीमा बल, लखीमपुर द्वारा सीमा चौकी रघुनगर में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत वाइब्रेट गाँवों के मध्य 02 दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसे शनिवार को देवानंद कमांडेंट, तृतीय वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, लखीमपुर खीरी के द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया। समापन से पूर्व उक्त प्रतियोगिता का फाइनल मैच चंदन चौकी अध पचपेड़ा के मध्य हुआ, उक्त रोमांचक मुकाबले में चंदन चौकी गाँव की टीम विजता एवं पचपेडा गाँव की टीम उप–विजेता रही। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नागरिक कल्याण कार्यक्रम तहत खेल सामानों का वितरण किया गया है। इस प्रतियोगिता में सीमावर्ती क्षेत्रों के 06 गाँवों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन ग्रामीण युवाओं में खेल भावना, टीम वर्क, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ उनकी खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ साथ उनकी खेल प्रतिभाओं को निखारने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर भल्ला फर्म के मालिक विक्रम भल्ला, आशिक आली, प्रधान, डांगा, अजीत कुमार चौकी प्रभारी, चंदन चौकी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं वाहिनी के जवान मौजूद रहे।

जिला अपराध निरोधक समिति मेला पुलिस के साथ समन्वय बनाकर करेगी कार्य

प्रयागराज।(संवाददाता) पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज कुमार पाण्डेय आईपीएस के दिशा–निर्देशों पर आज रिजर्व पुलिस लाइन्स माघ मेला के तीर्थराज सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक, नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला विजय आनंद की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी परेड जगदीश कालीरमन की उपस्थिति में जिला अपराध निरोधक समिति के सदस्यों की गोष्ठी आयोजित की गई। सर्वप्रथम संस्था के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव व उनकी टीम ने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी माघ मेला–2026 को सकुशल संपन्न कराने हेतु पुलिस व प्रशासन के साथ सामंजस्य व समन्वय बनाकर कार्य करने का संकल्प लिया गया। संस्था के लगभग 1000 सदस्य पुलिस बल के साथ मिलकर माघ मेला के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करेंगे। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे अपर

पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा संस्था के सदस्यों द्वारा पूर्व में किए गए सराहनीय कार्य हेतु आभार व्यक्त करते हुए बताया गया कि हम लोगों का मूल उद्देश्य मुख्यतः सुगम आवागमन, सुरक्षित प्रवास व सुरक्षित स्नान संपन्न करना होता है। इसके उपरांत मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी परेड द्वारा बताया गया कि तीर्थराज प्रयाग में आयोजित होने वाले माघ मेला–2026 को सकुशल व निर्विघ्न संपन्न कराए जाने में पुलिस व प्रशासन के साथ अन्य सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है।

एकाग्रता ही सफलता की कुंजी है: स्वतंत्र देव

मैगलगंज खीरी। लखनऊ से शाहजहांपुर जाते समय केंद्रीय मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मैगलगंज के चपरतला स्थित एक प्रतिष्ठान पर रुककर पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की।लखनऊ से शाहजहांपुर जाते समय उत्तर प्रदेश सरकार के केंद्रीय जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह चपरतला स्थित एक प्रतिष्ठान पर रुके। भाजपा मण्डल महामंत्री व क्षेत्रीय गन्ना डायरेक्टर अनिल राठौर ने स्वागत किया। वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि एकाग्रता और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। एकाग्रता बनाये रखो और मेहनत करते रहो सफलता अपने आप आपके कदम चूमेगी। इस दौरान आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा कार्यकर्ताओं से कहा कि कार्यकर्ता ही हमारी पार्टी का सच्चा सिपाही है किसी भी प्रकार से कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देश के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान पुरातन छात्र परिषद के जिलाध्यक्ष शिव गुप्ता, सलमान, संदीप व पंकज राठौर, मनोज वर्मा मौजूद रहे।

क्रांतिकारी पत्रकार परिषद की मासिक बैठक सम्पन्न

निघासन–खीरी।केन्द्रीय प्रमुख के निर्देशन में क्रांतिकारी पत्रकार परिषद की निघासन तहसील की कार्यकारिणी की मासिक बैठक जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुई।रविवार को केन्द्रीय प्रमुख मा० अनिल दुबे आजाद के निर्देशानुसार तहसील निघासन की कार्यकारिणी की मसिक बैठक जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू गिरि की अध्यक्षता में संपन्न हुई। वही बैठक को संम्बोधित करते हुए कहा कि पत्रकारों को अपनी कलम की ताकत को पहचानना होगा पत्रकार की कलम ही उसकी ताकत और पहचान होती है।पत्रकार अपनी कलम की ताकत के साथ–साथ संगठन को मजबूत बनाये और एकजुट रहे तथा संगठन का विस्तार करें। इस दौरान क्रांतिकारी पत्रकार राजेश राजपूत, मो० तहजूब, असगर अली,रवि कुमार, सुमित शाक्य, शहनूर अली, अफजल अली, अब्दुल हसन, सोएब अंसारी,उद्देश्य गिरि, रोहित कुमार आदि तमाम क्रांतिकारी पत्रकार मौजूद रहे।

शराब के नशे में चोर ने कबूल किया जुर्म

तीन साल पुरानी चोरी का राज खुला, जमीन खोद सामान निकाला

प्रयागराज।(संवाददाता) मऊआइमा थाना क्षेत्र के कटाता जलालपुर गांव में 2 साल से चोरी की वारदातें हो रही थीं। पुलिस के पास मामला पहुंचने के बाद भी आरोपियों की जानकारी नहीं हुई तो गांव वालों ने प्लान बनाया। लोगों को गांव के ही कुछ लोगों पर शक था। उन्होंने उन लोगों को मुर्गा और दारू पार्टी में बुलाया। उन्हें खूब शराब पिलाई। इसके बाद उनसे पूछताछ की। इस दौरान नशे में धुत एक युवक ने सब कुछ कबूल लिया। इसके साथ उसने अपने साथी चोरों की भी पोल खोल दी। चोर लोगों को उस जगह पर भी ले गया, जहां उन लोगों ने चोरी का सामान जमीन के नीचे दबा दिया था। लोगों ने जमीन खोदकर चोरी का सामान बरामद किया। इस दौरान चोर वहां से भाग निकले। लोगों ने वीडियो पुलिस को सौंप दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के कटाता जलालपुर गांव में राम सजीवन पटेल रहते हैं। उनके यहां 20 जनवरी 2023 को चोरी हुई। चोर पानी की मोटर, सबमर्सिबल मशीन ले गए। राम सजीवन ने 21 जनवरी 2023 पुलिस को तहरीर दी। गांव के ही रामजस, उसके बेटे शंकर लाल पटेल और धर्मेंद्र पटेल पर चोरी के आरोप लगे। पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ की, लेकिन उन्होंने जुर्म नहीं कबूला, न ही कोई सबूत मिला। ऐसे में पुलिस ने शांतिभंग में उनका चालान कर दिया। इसके बाद भी गांव में चोरियां होती रहीं। गांव के तहसीलदार पटेल, इंद्रपाल पटेल समेत अन्य लोगों के घर चोरियां हुईं, लेकिन कोई पकड़ा नहीं गया। राम सजीवन के परिवार वालों को शक था कि चोरी रामजस ने ही करवाई है। ऐसे में जिन–जिन युवकों पर शक था, उन्हें पकड़ने की योजना बनाई। 17 दिसंबर 2025 को युवकों ने शराब पार्टी रखी। खेत में इंतजाम हुआ। रामजस को दारू पार्टी में बुलाया गया। योजना के तहत रामजस को जमकर दारू पिलाई गई। अंत तक रामजस नशे में धुत हो गया और बड़बड़ाने लगा। इसके बाद जब लोगों ने उससे चोरी के बारे में पूछा तो उसने खुलकर सारे जुर्म कबूल लिए।

रामजस ने खुलासा किया कि चोरी की वारदात में कौन–कौन शामिल था। चोरी का सामान वो कहां छिपाता था। इसके बाद वह लोगों को उस जगह ले गया, जहां उसने चोरी का सामान छिपाया था। उसने रामसजीवन की मोटर जमीन खोदकर निकाली। 2 साल बाद तक मोटर बिकी क्यों नहीं, इस पर रामजस ने बताया कि जिस रात चोरी की थी उस रात भी खूब नशे में था। इसे छिपाकर वो भूल गया।

निदेशक नीति आयोग-सीडीओ की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

प्रयागराज।(संवाददाता) आकांक्षात्मक विकासखंड बहरिया और कोरांव की समीक्षा बैठक हेतु सुभाष चंद्रा, निदेशक, भारत सरकार मत्स्य पालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय मत्स्य पालन विभाग एवं नीति आयोग भारत सरकार द्वारा नामित केंद्रीय प्रभारी अधिकारी प्रयागराज द्वारा विकास भवन स्थित गंगा सभागार में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह के साथ सूचकांकों की विस्तृत समीक्षा की गई समीक्षा बैठक में सर्वप्रथम स्वास्थ्य विभाग एवं पोषण से संबंधित सूचकांक की समीक्षा की गई।समीक्षा बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएससी में आधारभूता सुविधाओं और डॉक्टर के साथ–साथ सी एच ओ की तैनाती के संबंध में जानकारी ली गई जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि विकास खंड कोराव में 51 सी एच ओ के सापेक्ष मात्र 32 कार्यरत है।पोषण से संबंधित सूचकांक सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन के संबंध में आपस में समन्वय स्थापित कर लक्ष्य के सापेक्ष लाभार्थियों को पोषाहार उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया शिक्षा विभाग में अपर प्राइमरी में ट्रांजिशन रेट में सुधार के भी निर्देश दिए गए।विद्यालय में मानक के अनुसार लड़कियों हेतु शौचालय की उपलब्धता के संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा बताया गया कि मार्च 2026 तक इस सूचकांक में प्रगति कर ली जाएगी नमामि गंगे योजना अंतर्गत टैप वाटर की प्रगति धीमी होने पर मार्च 2026 तक कनेक्शन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए।भारत नेट के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में लाइव कनेक्शन की स्थिति पर बीएसएनएल विभाग लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति करने हेतु कार्य योजना बनाने के भी निर्देश दिए गए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ० प्र० से प्रकाशित।
सम्पादक
आरती पाण्डेय
ek-
9807059191- 9026560178
Email-
adbhutsamachar@gmail.com
adbhutsamachar@hotmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।